दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-161 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) सोमवार 03 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

जम्मू-कश्मीर से केरल तक कुदरत का कहर

असम में बाढ़ ने मचाई भारी तबाही; 82 लोगों की मौत, लगभग 1.93 लाख लोग प्रभावित

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशभर में सक्रिय मानसून ने कई राज्यों में भारी तबाही मचाई है। जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल और असम से लेकर ओडिशा तक लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं ने जनजीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। हजारों लोग बेघर हो गए हैं, जबकि लाखों नागरिक बाढ़ की चपेट में हैं। कई राज्यों में राहत एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है।असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 82 हो गई है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में जलस्तर घटा है, फिर भी राज्य के लगभग 1.93 लाख लोग अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्य सरकार और विभिन्न राहत एजेंसियों द्वारा प्रभावित जिलों में राहत एवं पुनर्वास कार्य जारी हैं। प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में जुटा है।

केरल में लगातार हो रही भारी वर्षा से हालात गंभीर बने हुए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार वर्षा से जुड़ी घटनाओं में अब तक छह लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि छह अन्य लापता हैं। राज्य सरकार, विभिन्न एजेंसियों, जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय नागरिकों की मदद से खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। प्रभावित लोगों के लिए 65 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जहां 1,465 लोगों को आश्रय दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार वर्षा के कारण 17 मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं, जबकि 127 मकानों को आंशिक क्षति पहुंची है।मौसम विभाग के अनुसार कोझिकोड जिले के अनाक्कम्पोयिल क्षेत्र में 35 घंटों के दौरान 340 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि वायनाड जिले के मेप्पाडी में इसी अवधि में 177 मिलीमीटर वर्षा हुई।ओडिशा में भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राज्य के 20 जिलों में 8.34 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। महानदी सहित सालंदी, ब्राह्मणी, बैतरणी, जलका और बुढ़ाबलंग नदियों के उफान के कारण निचले इलाकों में व्यापक जलभराव हो गया है। से सड़क, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है, जबकि बड़ी मात्रा में कृषि भूमि भी जलमग्न हो गई है।उत्तरी ओडिशा में 1,300 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के फोरकोर्ट में आयोजित एक समारोह में पीबीजी सोल्जरथॉन दौड़ को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर मिजोरम के गवर्नर और इस पहल के संरक्षक जनरल वी.के. सिंह भी मौजूद थे।

बारामूला में सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी

संयुक्त अभियान में एक आतंकी गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर, (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। शनिवार को शेरी क्षेत्र के फथागढ़ इलाके में भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संयुक्त अभियान में एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह अभियान भारतीय सेना की 46 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर), बारामूला पुलिस और सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन ने संयुक्त रूप से चलाया। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया और उसके पास से हथियार व गोला-बारूद बरामद किए। फिलहाल गिरफ्तार आतंकी की पहचान और बरामद हथियारों की संख्या तथा प्रकार का आधिकारिक खुलासा नहीं किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह किस आतंकी संगठन से जुड़ा है, कहां से आया था और किन-किन घटनाओं में उसकी भूमिका रही है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और विस्तृत जानकारी जल्द साझा की जाएगी। उधर, कुलगाम जिले में एक दिन पहले दो प्रवासी मजदूरों की हत्या करने वाले आतंकवादियों की तलाश भी तेज कर दी गई है। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया है।

केरलम और कर्नाटक में बारिश-लैंडस्लाइड का तांडव, 9 लोगों की मौत; उत्तराखंड में हाईवे धंसे

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के कई राज्यों में इस वक्त आसमान से आफत बरस रही है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण हालात बेकाबू हो गए हैं और आम जनजीवन बुरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। दक्षिण में केरल से लेकर उत्तर में जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड तक बाढ़ और लैंडस्लाइड ने भारी तबाही मचा रखी है। कुदरत के इस भयानक प्रकोप के चलते अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है और पहाड़ों पर दहशत का माहौल है। केरल में बारिश ने विकराल रूप ले लिया है। राज्य के कई हिस्सों में लैंडस्लाइड और बाढ़ की वजह से अब तक छह लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, जबकि छह अन्य लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। प्रशासन युद्ध स्तर पर बचाव कार्य में जुटा है। बेघर हुए लोगों की मदद के लिए सरकार ने 65 राहत शिविर स्थापित किए हैं, जहां अब तक 1,465 लोगों को सुरक्षित निकालकर पहुंचाया गया है।

श्री 84 महादेव श्रद्धा, साधना और हमारी सांस्कृतिक परम्परा के हैं जीवंत प्रतीक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

श्रद्धालुओं के लिए यात्रा आस्था के साथ आत्मिक जागरण का अवसर भी

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन केवल एक नगर नहीं, भूत भगवान श्री महाकाल की पावन नगरी है। यहां के 84 महादेव श्रद्धा, साधना और सनातन परंपरा के जीवंत प्रतीक हैं। दर्शन यात्रा हमारी सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा आस्था के साथ-साथ आत्मिक जागरण का भी पुण्य अवसर भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन में आयोजित श्री 84 महादेव दर्शन यात्रा-2026 का शुभारंभ कर वीडियो कान्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दर्शन करने जा रहे सभी यात्रियों को अपनी आत्मीय शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्वे भवन्तु सुखिन: का संदेश देती है। भगवान शिव समरसता, करुणा और लोककल्याण के प्रतीक हैं। भारत की आध्यात्मिक शक्ति आज पूरे विश्व को आकर्षित कर रही है। यह यात्रा हमारी पवित्र आध्यात्मिक चेतना को आगे बढ़ाने का अभियान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 84 महादेवों की परिक्रमा शिवभक्ति की प्राचीन और पवित्र परंपरा है। यह यात्रा श्रद्धा, संयम और आध्यात्मिक अनुशासन का संदेश देती है। प्रत्येक मंदिर उज्जैन के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति का साक्षी है। यह आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐसे आयोजन कम ही होते हैं। श्री 84 महादेव दर्शन यात्रा में

शामिल सभी मातृशक्तियों को आयोजक संस्था द्वारा लाल चुनरी, साडी, रूद्राक्ष की माला, बिल्वपत्र का पौधा नि:शुल्क भेंट किए जा रहे हैं। यात्रा के साथ में प्रसिद्ध भजन गायक मनीष तिवारी की भजन मंडली भी चल रही है। उन्होंने कहा कि सावन मास के पावन अवसर पर भगवान शिव के प्रति सबकी श्रद्धा प्रशंसनीय है। इस यात्रा से हमारी संस्कृति के प्रचार-प्रसार को बढावा मिलेगा, धार्मिक पर्यटन को बल मिलेगा और हमारी सामाजिक समरसता मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्राएं केवल आस्था नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था की भी शक्ति हैं। इससे होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और छोटे व्यापारियों को लाभ मिलेगा। प्रदेश सरकार तीर्थ स्थलों पर बेहतर सुविधाएं विकसित कर रही है।

दिल्ली समेत देश के कई इलाकों में सुबह-सुबह कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर इतनी दर्ज की गई तीव्रता

नईदिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में रविवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए. राहत की बात ये है कि इस भूकंप के बाद अभी तक कहीं से भी किसी प्रकार के जान या माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है. हालांकि भूकंप के बाद लोग जरूर सहम गए. दिल्ली में आए भूकंप का मुख्य केंद्र राजधानी का उत्तरी जिला रहा. जहां रविवार सुबह 2.9 तीव्रता का भूकंप आया.सबसे पहले रविवार तड़के राजधानी दिल्ली में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के मुताबिक, रविवार तड़के 4.14 बजे राजधानी दिल्ली में भूकंप आया. रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 2.9 दर्ज की गई. इस भूकंप का केंद्र राजधानी के उत्तरी जिला में जमीन के नीचे 8 किमी की गहराई में था।

भुवनेश्वर के लोअर पीएमजी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ओडिशा की स्कूली पाठ्यपुस्तकों की छपाई में कथित गलतियों को लेकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और सीएम योगी पर आपत्तिजनक टिप्पणी, रांची में एफआईआर दर्ज

रांची(आरएनएस)। राजधानी रांची के रहने वाले एक व्यक्ति के द्वारा देश के प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है. सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर आरोपी व्यक्ति के खिलाफ रांची में एफआईआर दर्ज कर ली गई है.पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, सीएम योगी आदित्यनाथ और हटिया विधायक के ऊपर सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी और धमकी के बाद भाजपा, रांची के नगड़ी मंडल की ओर से नगड़ी थाना में एक लिखित आवेदन दिया है. साथ ही सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने वाले व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

जैश के संदिग्ध ने रची थी सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान दिल्ली को दहलाने की साजिश! गर्लफ्रेंड के सोशल मीडिया से खुला राज

कोलकाता, (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने दावा किया है कि पूर्वी बर्धमान जिले से गिरफ्तार एक संदिग्ध आतंकवादी दिल्ली के जंतर-मंतर पर हाल में हुए प्रदर्शन में पुलिसकर्मी का वेश धारण कर घुसपैठ करने तथा अशांति फैलाने की साजिश में शामिल था। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपी का संबंध पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े नेटवर्क से होने का संदेह है।

एसटीएफ ने दो दिन पहले हमीम मंडल को पूर्वी बर्धमान से गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी का कहना है कि पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

विशेष कार्य बल के महानिरीक्षक गौरव शर्मा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार पाकिस्तान में बैठे कथित संचालकों ने हमीम मंडल को पुलिस की वर्दी पहनकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र प्रदर्शन में शामिल होने और वहां अशांति फैलाने के निर्देश दिए थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पीबीजी सोल्जरेथॉन को दिखाई हरी झंडी, सैनिकों के सम्मान और कल्याण का दिया संदेश

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को राष्ट्रपति भवन प्रांगण में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति के अंगरक्षक (पीबीजी) रेजिमेंट द्वारा आयोजित पीबीजी सोल्जरेथॉन को वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर डॉ. वी.के. सिंह भी उपस्थित रहे, जो इस पहल के संरक्षक हैं। राष्ट्रपति ने कार्यक्रम की स्मृति में एक विशेष डाक आवरण का भी विमोचन किया। सोल्जरेथॉन का आयोजन दिल्ली छावनी स्थित करियप्पा परेड ग्राउंड में किया गया। सैनिकों के लिए दौड़ें, सैनिकों के साथ दौड़ें' की संकल्पना पर आधारित यह आयोजन आम नागरिकों और सशस्त्र बलों के बीच संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने का एक महत्वपूर्ण मंच है। इस वर्ष सोल्जरेथॉन की थीम वास्तविक नायक भारत के सशस्त्र बलों का समर्थन रखी गई है, जिसके माध्यम से देश के सैनिकों के साहस, समर्पण और बलिदान को सम्मान दिया गया तथा नागरिकों से उनके प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने का आह्वान किया गया।

12 अगस्त को लगने जा रहा पूर्ण सूर्य ग्रहण, 100 साल बाद दिखेगा अद्भुत नजारा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। अंतरिक्ष की दुनिया में दिलचस्पी रखने वालों के लिए इस साल अगस्त का महीना बेहद रोमांचक होने वाला है। आसमान में एक ऐसी खगोलीय घटना घटने जा रही है, जिसका इंतजार दुनिया भर के वैज्ञानिक और खगोल प्रेमी बेसब्री से कर रहे हैं। 12 अगस्त को सूर्य और पृथ्वी के बीच चंद्रमा कुछ इस तरह आएगा कि तेज धूप वाले दिन में ही अचानक रात जैसा घना अंधेरा छा जाएगा। सबसे खास बात यह है कि दुनिया के कुछ हिस्सों में प्रकृति का यह दुर्लभ और अद्भुत नजारा पूरे एक सदी यानी 100 साल बाद देखने को मिलेगा। इस पूर्ण सूर्य ग्रहण को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह स्पेन में देखा जा रहा है। यहां के उत्तरी हिस्सों में लगभग एक सदी के लंबे इंतजार के बाद पूर्ण सूर्य ग्रहण का विहंगम दृश्य देखने को मिलेगा। यही कारण है कि दुनिया भर से खगोल विज्ञान के शौकीन और हजारों की संख्या में पर्यटक इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए वहां पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पप्पू यादव पर चप्पल से हमला, सांसद ने लगाया हत्या की साजिश का आरोप

नई दिल्ली (ए.)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के नई दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर रविवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उस समय हंगामा मच गया, जब एक युवक ने कथित तौर पर उन पर चप्पल फेंककर हमला कर दिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद समर्थकों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना के दौरान कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पप्पू यादव अपने हालिया संसद प्रदर्शन और उस पर उठे विवादों को लेकर मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने उनसे तीखे सवाल पूछने शुरू किए। शुरुआत में मामला केवल बहस तक सीमित रहा, लेकिन कुछ ही देर में विरोधी पक्ष की ओर से नारेबाजी शुरू हो गई। इसके बाद पप्पू यादव के समर्थक भी आक्रोशित हो गए और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्षों के बीच पहले तीखी नोकझोंक, फिर धक्का-मुक्की शुरू हो गई। हंगामा इतना बढ़ गया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस स्थल पर कुर्सियां तक फेंकी जाने लगीं। इसी दौरान एक युवक ने कथित तौर पर पप्पू यादव पर चप्पल फेंक दी। घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद समर्थकों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अपनी हिरासत में ले लिया। घटना के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस स्थल पर कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण क्षेत्र में शिक्षा के नए युग की शुरुआत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ज्ञान, संस्कार और कौशल से आत्मनिर्भर बनेगी प्रदेश की नई पीढ़ी

भोपाल (आरएनएस) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बैरसिया में सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण केवल नए विद्यालय भवन का शुभारंभ नहीं, बल्कि क्षेत्र में शिक्षा के नए युग और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत है। यह विद्यालय विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगा और उन्हें ज्ञान, संस्कार, आत्मविश्वास और कौशल से संपन्न बनाकर जीवन में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को बैरसिया में सांदीपनि विद्यालय के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यालय परिसर का अवलोकन किया और विद्यार्थियों को नवीन सर्वसुविधायुक्त विद्यालय की शुभकामनाएं दीं। करीब 35 एकड़ क्षेत्र में निर्मित शासकीय सांदीपनि ठाकुर लाल सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की लागत 50 करोड़ 74 लाख है। मुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर में पौध-रोपण भी किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता-पिता बच्चों को जीवन देते हैं, लेकिन विद्यालय और गुरु उनके व्यक्तित्व को सही आकार देकर जीवन को सार्थक बनाते हैं। जिस प्रकार पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है, उसी प्रकार अच्छे विद्यालय और योग्य शिक्षक विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारकर उन्हें समाज और राष्ट्र की अमूल्य संपदा बनाते हैं। विद्यालय केवल पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के चरित्र निर्माण, अनुशासन, संस्कार और जीवन-दृष्टि के विकास का प्रमुख

केंद्र होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की पहचान सदियों से ज्ञान, शिक्षा और गुरु-शिष्य परंपरा से रही है। हमारी शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाना है। भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा ने पूरी दुनिया को आकर्षित किया है। इसी गौरवशाली परंपरा को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश में सांदीपनि विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। पढ़-लिखकर अच्छा डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, पत्रकार और प्रशासनिक अधिकारी बनने के साथ आधुनिक किसान, सफल उद्यमी, कुशल व्यापारी तथा जिम्मेदार नागरिक भी बना जा सकता है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुरूप क्षेत्र चुनकर उसमें उत्कृष्टता प्राप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। वे जिस भी क्षेत्र में जाएं, पूरी लगन, ईमानदारी और परिश्रम के साथ कार्य करते हुए श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं को रोजगार प्राप्त करने के साथ रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश सरकार भी शिक्षा को रोजगार, स्वरोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नई पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनाकर देश के विकास में सक्रिय भागीदार बनाना सरकार का प्रमुख लक्ष्य है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यालय में अर्जित ज्ञान जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। भौतिक संपदा समाप्त हो सकती है, लेकिन ज्ञान, विवेक और बुद्धि की संपदा को कोई छीन नहीं सकता। शिक्षा से प्राप्त विवेक ही व्यक्ति को चुनौतियों का सामना करने, सही निर्णय लेने और निरंतर प्रगति करने की शक्ति देता है। विद्यार्थी अपने विद्यालयीन समय का सदुपयोग करें तथा ज्ञान के साथ अच्छे संस्कार भी ग्रहण करें।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों का नाम भगवान श्रीकृष्ण के गुरु महर्षि सांदीपनि की गौरवशाली परंपरा से जुड़ा है। भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन स्थित महर्षि सांदीपनि के आश्रम में रहकर 64 कलाओं और 14 विद्याओं का ज्ञान प्राप्त किया।

भोपाल, बीना और इटारसी के यात्रियों के लिए खुशखबरी...

हर बुधवार और शनिवार को चलेगी यह स्पेशल ट्रेन

भोपाल (आरएनएस) । दक्षिण भारत की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। लगातार बढ़ती यात्री भीड़ और लंबी वेटिंग को देखते हुए रेलवे ने कानपुर सेंट्रल-मदुरई स्पेशल ट्रेन (01925/01926) के अतिरिक्त चार-चार फेरे चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन भोपाल मंडल से होकर गुजरेगी, जिससे भोपाल, बीना और इटारसी के यात्रियों को सीधा फायदा मिलेगा।

अगस्त में हर बुधवार और शनिवार को चलेगी ट्रेन

गाड़ी संख्या 01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरई स्पेशल 5 अगस्त से 26 अगस्त तक प्रत्येक बुधवार कुल चार फेरे लगाएगी, जबकि 01926 मदुरई-कानपुर सेंट्रल स्पेशल 8 अगस्त से 29 अगस्त तक प्रत्येक शनिवार चार फेरे संचालित होगी। इस अतिरिक्त ट्रेन का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि दक्षिण भारत जाने वाले यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना बढ़ेगी और वेटिंग लिस्ट का दबाव कम होगा।

त्योहारों और इलाज के लिए यात्रा करने वालों को फायदा

अगस्त में त्योहारों, परीक्षाओं, नौकरी और इलाज के लिए बड़ी संख्या में लोग तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की ओर यात्रा करते हैं। ऐसे में अतिरिक्त फेरे यात्रियों को राहत देंगे। यह ट्रेन भोपाल, बीना, इटारसी, नागपुर, वारंगल, विजयवाड़ा, नेल्लोर, रेनिगुंटा, काटपडी, सालेम, करूर और डिंडीगुल सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। इससे मध्य प्रदेश के यात्रियों को दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों तक सीधी और सुविधाजनक रेल सेवा मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय ध्वज के अभिकल्पक स्वतंत्रता सेनानी स्व. पिंगली वेंकैया की जयंती पर किया नमन

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हमारे राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) के अभिकल्पक स्व. पिंगली वेंकैया की जयंती पर उन्हें नमन किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी स्व. वेंकैया ने तिरंगे के अभिकल्पन से देश की एकता, स्वाभिमान और राष्ट्रीय चेतना को नई पहचान दी। उनका प्रेरणादायी योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

प्रदेश का एक गाँव ऐसा जो बना खेती का 'मिनी हॉलैंड'

पॉलीहाउस में खिल रहे विदेशी फूल और बदल रही किसानों की तकदीर

भोपाल (आरएनएस) । कभी पारंपरिक खेती और मौसम की अनिश्चितता से जूझने वाले धार जिले के बदनावर विकासखंड के ग्राम रूपाखेड़ा अब मिनी हॉलैंड के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। ग्राम रूपाखेड़ा में किसान पॉलीहाउस और शेडनेट हाउस में गुलाब, जरबेरा, लिलियम, जिप्सोफिला, ब्लू डेजी, व्हाइट डेजी जैसे उच्च गुणवत्ता वाले फूलों एवं सब्जियों का उत्पादन कर देशभर में आज आधुनिक उद्यानिकी और संरक्षित खेती की सफलता की मिसाल बनकर उभरा हैलगभग 1930 की आबादी और 391 परिवारों वाले रूपाखेड़ा में एक दशक पहले अधिकांश किसान गेहूं, चना, मक्का और सोयाबीन जैसी पारंपरिक फसलों पर निर्भर थे। मौसम की मार, सीमित आय और बढ़ती खेती लागत के कारण किसानों के सामने आर्थिक चुनौतियां थीं। ऐसे समय में उद्यानिकी विभाग ने किसानों को संरक्षित खेती (Protected Cultivation) की तकनीक से परिचित कराया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा शुरु किये गये राष्ट्रव्यापी नशा मुक्ति अभियान में बने सहभागी : मंत्री श्री सारंग

शरीर को स्वस्थ रखने के लिये सबसे अच्छा उपाय है योग : श्री सबनानी

भोपाल (आरएनएस) । खेल एवं युवा कल्याण और सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि जिस प्रकार देश नक्सलवाद से मुक्त हुआ है, उसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत अभियान ञ्च2047 के तहत देश नशे से भी मुक्त होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रविवार को राष्ट्रव्यापी नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ किया है। इस अभियान में योग की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। आज के युवा योग कर नशे से मुक्त हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में संयुक्त परिवार की आवश्यकता देखी जा रही है। संयुक्त परिवार से संगठित होने की क्षमता विकसित होती है। मंत्री श्री सारंग रविवार को कमला पार्क स्थित आचार्य नरेंद्र देव पुस्तकालय में डॉ. के.एम. गांगुली योगपीठ संस्था द्वारा आयोजित आठवें राज्य स्तरीय जीवन शैली सम्मान समारोह का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। समारोह के विशेष अतिथि दक्षिण-पश्चिम विधायक भगवान दास सबनानी ने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सबसे अच्छा उपाय योग है। नियमित योग कर नशे से मुक्ति पाई जा सकती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नशे से मुक्त अभियान में योग अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। संस्था प्रमुख डॉ. पवन गुरु इस अभियान से जुड़कर युवाओं को नई दिशा दे सकते हैं।डॉ. पवन गुरु ने अपने अनुभव साझा करते हुए संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमित योग करने से जटिल बीमारियों से भी मुक्ति पाई जा सकती है। हर व्यक्ति को समय निकाल कर योग अवश्य करना चाहिये।इन्हें किया गया सम्मानितडॉ. के.एम. गांगुली स्मृति सम्मान डॉ. प्रियनाथ अग्रवाल को, रत्नेश गुरु स्मृति सम्मान पूर्व आईपीएस पवन जैन को, डॉ. सी.बी. गुरु स्मृति सम्मान अपर संचालक जनसंपर्क जी.एस. वाधवा को, जगदीश गुरु स्मृति सम्मान वरिष्ठ पत्रकार डॉ. राजीव अग्निहोत्री को और मनोरमा गुरु साहित्य स्मृति सम्मान श्रीराम महेश्वरी को प्रदान किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ योगाचार्य ममता गुरु सहित बड़ी संख्या में योग साधक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अजय श्रीवास्तव नीलू और वरिष्ठ पत्रकार शशांक दुबे ने आभार माना।

नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्तिः राज्यमंत्री गौर

भोपाल (आरएनएस)। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा है कि नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे प्रबल शक्ति हैं। भारत की वास्तविक सामर्थ्य उसकी युवा जनशक्ति में निहित है, और यदि यह शक्ति नशा रूपी दलदल में उलझती है, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव केवल एक व्यक्ति या परिवार तक सीमित न रहकर संपूर्ण राष्ट्र की प्रगति को अवरुद्ध करता है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' के कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं ।राष्ट्रीय संकल्प और जनभागीदारी के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर के 10 हजार से अधिक स्थानों से जुड़े लाखों युवाओं के साथ ऑनलाइन संवाद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण में युवा पीढ़ी की केंद्रीय भूमिका, उनकी ऊर्जा और नवाचार क्षमता को रेखांकित करते हुए एक सशक्त भारत का मार्ग प्रशस्त किया।राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि व्यसन व्यक्ति की विचार एवं निर्णय क्षमता को क्षीण करता है, परिवारों के ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर देता है तथा समाज की सकारात्मक ऊर्जा का ह्रास करता है। उन्होंने रेखांकित किया कि युवा केवल देश का स्वर्णिम भविष्य ही नहीं, अपितु वर्तमान की सर्वाधिक अमूल्य पूंजी हैं।

विधानसभा में पं. रविशंकर शुक्ल को नमन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अर्पित की पुष्पांजलि

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री स्वर्गीय पं. रविशंकर शुक्ल की जयंती पर रविवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के सेंट्रल हॉल में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर प्रदेश के निर्माण और विकास में उनके ऐतिहासिक योगदान को नमन किया। कार्यक्रम में विधायक भगवानदास सबनानी, पं. रविशंकर शुक्ल की पौत्री श्रीमती उमा तिवारी एवं अन्य परिवारजन डॉ. सुलभा दीक्षित, राजीव दीक्षित, करुनेश त्रिवेदी,सुनील शुक्ल एवं श्रद्धा पांडे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विधानसभा सचिवालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

मध्य प्रदेश एसटीएसएफ की बड़ी कार्रवाई, तेंदुआ शिकार गिरोह का भंडाफोड़, 7 आरोपी गिरफ्तार

- 10 तेंदुओं के अवशेष बरामद, कूनो समेत कई वन क्षेत्रों में शिकार की पुष्टि

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने एक संगठित अंतरराज्यीय तेंदुआ शिकार एवं वन्यजीव अंग तस्करी गिरोह का पर्दाफ़ाश किया है। एसटीएसएफ की कार्रवाई में सात आरोपियों को श्योपुर-मुरैना क्षेत्र में गिरफ्तार किया है।जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि मामले की छानबीन में जुटी एसटीएसएफ ने 23 जुलाई 2026 को आगरा में वन विभाग और उत्तर प्रदेश पुलिस की संयुक्त टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई में चार कथित वन्यजीव तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 तेंदुओं की खालें तथा दूसरे वन्यजीव अवयव बरामद किए थे। प्रारंभिक जांच में इस अंतरराज्यीय गिरोह के तार मध्य प्रदेश से जुड़े पाए गए। इसके बाद एसटीएसएफ ने विशेष जांच दल गठित कर आगरा तथा मध्य प्रदेश के उत्तरी जिलों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया।उन्होंने बताया कि एसटीएसएफ, कूनो वन्यजीव वनमंडल, श्योपुर वनमंडल और मुरैना वनमंडल की संयुक्त टीमों ने गत 30 जुलाई को आरोपियों की निशानदेही पर श्योपुर और मुरैना जिले के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान तेंदुओं की बड़ी मात्रा में हड्डियां और अन्य अवशेष बरामद किए गए। इस मामले में 2 वन अपराध प्रकरण दर्ज किए गये हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने 10 तेंदुओं के शिकार की बात स्वीकार की। जांच में सामने आया कि इनमें से 6 तेंदुओं का शिकार कूनो वन्यजीव वनमंडल, दो श्योपुर वनमंडल तथा दो चंबल अभयारण्य (मुरैना वनमंडल) में किया गया था।

भोपाल (संदीप पंडा)। विधायक भगवानदास सबनानी ने गुजराती भवन में श्री माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित नानी बाई रो मायरो के तीन दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन में व्यास पीठ का पूजन कर पावन कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया।

धार्मिक स्थल केवल दर्शन के नहीं, संस्कृति और जनभागीदारी के केंद्र बनें : प्रहलाद सिंह पटेल

- सदर मढ़िया प्रांगण में डोम शेड के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री पटेल

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि धार्मिक स्थलों का विकास केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें संस्कृति, अध्यात्म, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।मंत्री पटेल रविवार को नरसिंहपुर जिले में स्थित सदर मढ़िया प्रांगण में आयोजित डोम शेड के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उक्त डोम शेड की लागत पचास लाख रुपये है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्षा जल संरक्षण, वृक्षों का संरक्षण और धार्मिक परिसरों का सुनियोजित विकास वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।उन्होंने धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिसरों में अनियोजित निर्माण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समिति की अनुमति और सुविचारित योजना के बिना कोई निर्माण कार्य नहीं होना चाहिए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शौचालय, पार्किंग, ठहरने की व्यवस्था तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का समुचित विकास किया जाए। साथ ही धार्मिक स्थलों को योग, ध्यान, संगीत, संस्कृति और सामाजिक गतिविधियों के स्थायी केंद्र के रूप में विकसित करने पर बल दिया।

मंत्री पटेल ने कहा कि किसी भी संस्था की मजबूती उसके संसाधनों के बेहतर रखरखाव में निहित होती है। उपलब्ध उपकरणों और व्यवस्थाओं के नियमित मेंटेनेंस की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिरों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां संगीत, संस्कृति और शिक्षा का ऐसा वातावरण विकसित किया गया है, जिससे नई पीढ़ी को सीखने और अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थल केवल दर्शन और पूजा तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि वहां का वातावरण समाज को अनुशासन, सेवा और संस्कार का संदेश देने वाला होना चाहिए। व्यवस्था केवल पुलिस के भरोसे नहीं, बल्कि स्वयंसेवकों और समाज की सक्रिय भागीदारी से संचालित होनी चाहिए। उन्होंने गोटेगांव में पिछले 44 सालों से आयोजित किए जा रहे टूर्नामेंट का उदाहरण देते हुए कहा कि जहां आत्मानुशासन और संस्कार होते हैं, वहां कानून-व्यवस्था की आवश्यकता स्वत: कम हो जाती है।

मंत्री पटेल ने धार्मिक परिसरों में स्थायी अधोसंरचना विकसित करने पर जोर देते हुए कहा कि बाउंड्री वॉल, डोम शेड, मंच तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का योजनाबद्ध निर्माण किया जाए, ताकि हर आयोजन में अस्थायी व्यवस्थाओं पर होने वाला अनावश्यक खर्च कम हो और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का विकास इस प्रकार किया जाए कि वहां प्रकृति, संस्कृति, अध्यात्म और जनभागीदारी का सुंदर समन्वय स्थापित हो तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी वातावरण निर्मित हो।कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि सदर मढ़िया आस्था और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र है। डोम शेड के निर्माण से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी और धार्मिक आयोजनों का संचालन अधिक व्यवस्थित ढंग से किया जा सकेगा। उन्होंने सभी से धार्मिक स्थलों के विकास, स्वच्छता और संरक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

25 मेधावी छात्राओं को मिली 5 लाख रुपये की फीस सहायता, बिसारिया फाउंडेशन ने सौंपे चेक

भोपाल (निप्र)। राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद एवम चित्रगुप्त समाज भोपाल के सहयोग से बिसारिया फाउंडेशन एन्ड चेरिटेबिल ट्रस्ट द्वारा 25 आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी कालिज की कन्याओं को 20 हजार प्रति छात्रा के, कुल राशि 5 लाख के चेक फीस हेतु ट्रस्ट की चेयरपर्सन डॉ रीना कानूनगो द्वारा प्रदान किये गए,एवम फाउंडेशन के आगामी कार्यक्रम एवम उदेश्यों पर प्रकाश डाला । इस अवसर पर चित्रगुप्त समाज भोपाल के अध्यक्ष मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव , उपाध्यक्ष श्रीमती सुधा जौहरी ने कन्याओं को उनके उज्जवल केरियर हेतु मार्गदर्शन दिया, इस अवसर पर राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एम जौहरी , राष्ट्रीय सचिव राजेश नारायण श्रीवास्तव, चित्रगुप्त समाज भोपाल के , पी ड़ी खरे, दिनेश निगम, श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव, सहर्ष श्रीवास्तव, सहित अनेको चित्रांश बन्धुओ ने कन्याओं के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी । अंत मे संस्था के एकाउंट मैनेजर, महावीर साहू ने आभार व्यक्त किया ।

मध्यप्रदेश पुलिस की वाहन चोर गिरोहों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संपत्ति संबंधी अपराधों एवं वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु लगातार कार्यवाहियां की जा रही है। इसी क्रम में प्रदेश में विभिन्न जिलों की पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई कर विगत तीन सप्ताह में चोरी किए गए 116 मोटरसाइक्लि , 04 ट्रैक्टर, 01 पिकअप एवं 01 कार जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रमुख कार्यवाहियां

खरगोनः पुलिस ने अंतरजिला मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 3 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपियों की निशानदेही पर खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, महू एवं हरदा सहित विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 50 लाख रुपए मूल्य की 51 चोरी की मोटरसाइकिलें जब्त की गई हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी पुराने अथवा खराब लॉक वाली मोटरसाइकिलों को निशाना बनाकर भीड़भाड़ वाले स्थानों से मात्र 5 मिनट में चोरी कर लेते थे और बाद में उन्हें कम कीमत पर ग्रामीण क्षेत्रों में बेच देते थे।

छतरपुर : थाना लवकुशनगर पुलिस ने अंतरराज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 04 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 21 मोटरसाइकिलें जब्त कीं।

सिंगरौली : जिले की थाना चितरंगी पुलिस ने 05 शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 09 मोटरसाइकिलें जब्त कीं है।

राजगढ़ः हर-हर महादेव के जयघोष के साथ निकली विशाल कांवड़ यात्रा, पूर्व मंत्री रहे शामिल

राजगढ़, (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के जीरापुर में सावन माह के चौथे दिन रविवार को आस्था का अनूठा नजारा देखने को मिला। गिरिराज मित्र मंडल के तत्वावधान में विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई, जिसमें 100 से अधिक कांवड़ियों और सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा में पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह खींची भी कंधे पर कांवड़ उठाकर श्रद्धालुओं के साथ शामिल हुए। कांवड़ यात्रा की शुरुआत सुबह श्री छापेश्वर महादेव मंदिर से हुई। श्रद्धालुओं ने छापी नदी से पवित्र जल भरकर करीब 25 किलोमीटर की पैदल यात्रा प्रारंभ की। यात्रा का समापन गोघटपुर मठ स्थित श्री मनकामनेश्वर महादेव मंदिर में हुआ, जहां विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया। पूरे मार्ग में हर-हर महादेव के जयघोष और शिव भजनों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। डीजे की धुन पर शिवभक्त भक्ति में सराबोर होकर आगे बढ़ते रहे। कोडक्या, माचलपुर सहित कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर कांवड़ यात्रियों का भव्य स्वागत किया और जलपान की व्यवस्था भी की।आयोजन समिति ने बताया कि श्रावण मास में हर वर्ष इस धार्मिक परंपरा का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य भगवान शिव के प्रति आस्था को मजबूत करने के साथ सामाजिक और धार्मिक एकता का संदेश देना है। शाम करीब पांच बजे गोघटपुर मठ पहुंचकर श्रद्धालुओं ने भगवान मनकामनेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा और खुशहाली की कामना की। इसके बाद प्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

खाचरोदः प्रेम विवाह से नाराज परिजनों ने जीवित बेटी की कर दी गोरनी

खाचरोद (ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में खाचरोद तहसील के गांव बड़ागांव में एक मेडिकल की छात्रा के प्रेम विवाह से नाराज उसके परिजनों ने उसे मृत घोषित कर रविवार को उसकी गोरनी का कार्यक्रम कर दिया।परिजनों ने बाकायदा गोरनी का कार्ड भी छुपाया और उसे पर जीवित बेटी को सामाजिक रूप से मृत बताकर उसका कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में गांव व आसपास के लोगों को निमंत्रण दिया गया लगभग 1200 लोगों को भोजन भी कराया । जानकारी के अनुसार बड़ा गांव निवासी भेरूलाल पाटीदार की पोती स्वाति पाटीदार 28 जुलाई को रात्रि 3:00 बजे परिजनों को बिना बताए घर छोड़ कर चली गई। परिजनों ने जब इसका पता लगाया तो पता चला कि उसने गांव के ही अपनी समाज के एक युवक से प्रेम विवाह कर लिया। इस बात से नाराज होकर उसके परिजनों ने उसका मृत्यु कार्ड छपवाकर उसे मृत मानकर उस का कार्यक्रम रविवार दोपहर को समाज की धर्मशाला में कर दिया। युवती के पिता ने बताया कि स्वाति ने जिससे प्रेमी विवाह किया है, वह लड़का परिवार से जुड़ा है और रिश्ते में भाई लगता है। स्वाति रतलाम से बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है।

मां नर्मदा उद्गम मंदिर परिसर के 11 रुद्र महादेव-शिव और मां रेवा की दिव्य आराधना का पावन धाम

अनूपपुर, (ए.)। विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के मध्य स्थित मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले का अमरकंटक, जहां मोक्षदायिनी मां नर्मदा का दिव्य उद्गम हुआ, श्रावण मास में शिवमय और भक्तिमय वातावरण से आलोकित हो उठता है। मां नर्मदा उद्गम मंदिर परिसर में स्थापित 11 रुद्र महादेव के दर्शन एवं पूजन के लिए प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। यहां मां नर्मदा और भगवान शिव की संयुक्त आराधना सनातन परंपरा में विशेष पुण्यदायी मानी जाती है।अमरकंटक के धनंजय तिवारी बताते हैं कि स्कंद पुराण के रेवा खंड में अमरकंटक को देवताओं, ऋषियों और तपस्वियों की पुण्यभूमि बताया गया है। वहीं नर्मदा पुराण में मां नर्मदा को शिवकृपा से प्रकट, पापों का नाश करने वाली तथा मोक्ष प्रदान करने वाली पुण्यसलिला के रूप में महिमामंडित किया गया है। इसी भाव को व्यक्त करने वाली प्रसिद्ध पंक्ति है -दर्शनादेव नर्मदाया: स्नानात् पापं विनश्यति। अर्थात, मां नर्मदा के दर्शन और श्रद्धापूर्वक स्नान से पापों का क्षय होता है तथा पुण्य की प्राप्ति होती है। सनातन परंपरा में भगवान शिव के एकादश रुद्र सृष्टि की रक्षा, धर्म की स्थापना और लोककल्याण के प्रतीक माने गए हैं। इसी आध्यात्मिक भावना के अनुरूप उद्गम मंदिर परिसर

में स्थित 11 रुद्र महादेव के समक्ष श्रद्धालु नर्मदा उद्गम का पवित्र जल अर्पित कर रुद्राभिषेक करते हैं। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार, प्रदोष एवं शिवपूजन के विशेष अवसरों पर मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रों की गूंज सुनाई देती है- त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्॥ तथा शिव महिम्न स्तोत्र का यह प्रसिद्ध श्लोक श्रद्धालुओं को शिवभक्ति में निमग्न कर देता है-असितगिरिसमं स्यात् कज्जलं सिन्धुपात्रे, सुरतरुवरशाखा लेखनी पत्रमुर्वी। लिखति यदि गृहीत्वा शारदा सर्वकालं, तदपि तव गुणानामीश पारं न याति॥ अर्थात, यदि नील पर्वत स्याही बन जाए, समुद्र दवात बन जाए, कल्पवृक्ष की शाखा लेखनी और पृथ्वी कागज बन जाए, तथा स्वयं मां सरस्वती अनंत काल तक लिखती रहें, तब भी भगवान शिव के गुणों का पूर्ण वर्णन नहीं किया जा सकता। श्रद्धालु शिव पंचाक्षरी मंत्र— ? नमः शिवाय और हर हर महादेव, नर्मदे हर के जयघोष के साथ मां नर्मदा उद्गम का जल 11 रुद्र महादेव को अर्पित करते हैं। संपूर्ण मंदिर परिसर वैदिक ऋचाओं, रुद्रपाठ, घंटा-घड़ियाल और शंखध्वनि से गुंजायमान रहता है।धर्माचार्यों का मत है कि श्रावण मास में मां नर्मदा के उद्गम पर स्नान, भगवान शिव के रुद्रस्वरूपों का अभिषेक तथा शिव-नर्मदा की संयुक्त आराधना करने से आध्यात्मिक शांति, आरोग्य, सुख-समृद्धि और लोकमंगल की भावना पुष्ट होती है। यही कारण है कि श्रावण मास में अमरकंटक का यह दिव्य धाम देशभर के श्रद्धालुओं के लिए आस्था, तप, भक्ति और सनातन संस्कृति का अद्वितीय केंद्र बन जाता है।

जैविक हाट : नए उत्पादों ने बढ़ाया आकर्षण

शुद्ध और रसायन मुक्त उत्पादों के खरीदारों की बढ़ रही संख्या

जबलपुर (ए.)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जबलपुर कृषि उपज मंडी में आयोजित किये जा रहे साप्ताहिक जैविक हाट का इस रविवार को भी सफल आयोजन किया गया। खेत से थाली तक शुद्ध आहार की अवधारणा पर आधारित जैविक

हाट में प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले किसानों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया। बड़ी संख्या में नागरिकों ने रसायन-मुक्त एवं स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सामग्री की खरीदी की।इस रविवार को लगाये गये साप्ताहिक जैविक हाट में सब्जियों एवं फलों के साथ कदम के फूल, करौंदा, कटहल, विभिन्न प्रकार के अनाज, मक्का तथा पनीर, दही एवं शुद्ध देशी घी जैसे दुग्ध उत्पाद भी उपलब्ध रहे। नये उत्पादों के शामिल होने से उपभोक्ताओं का उत्साह और किसानों को बेहतर प्रतिसाद प्राप्त हुआ, जिससे उन्हें अपने उत्पादों का उचित मूल्य मिला।इस बार जैविक हाट के आयोजन की जिम्मेदारी किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के सिहोरा अनुभाग को सौंपी गई थी। हाट का संचालन अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्रीमती मनीषा पटेल एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जे एस राठौर के मार्गदर्शन में किया गया।उप संचालक कृषि उमेश कटहरे ने जैविक हाट का निरीक्षण कर विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा किसानों एवं उपभोक्ताओं से संवाद कर जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अधिकारियों को जैविक हाट के प्रभावी संचालन एवं निरंतर विस्तार के निर्देश दिए।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर एमपी ट्रांसको के सबस्टेशन में हुआ सामूहिक पौधारोपण

इन्दौर (ए.)। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के उपक्रम मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 400 केवी सबस्टेशन ताजपुर उज्जैन में सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन एवं प्रकृति को हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर परिसर में लगभग 100 पौधे रोपे गए तथा उनकी नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी सभी कार्मिकों द्वारा लिया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में एमपी ट्रांसको उज्जैन के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अनिल सक्सेना, कार्यपालन अभियंता पंकज कुमार राय, अभिषेक गुप्ता एवं कामता प्रसाद चौधरी, सहायक अभियंता संतोष चौरसिया, सहायक अभियंता प्रशिक्षु अंकित कुमार, विष्णु प्रजापति, नयन गढ़वाल, सानू साहू, विजय अहिरवार एवं आदित्य श्रीवास, कनिष्ठ अभियंता चंदर सिंह गुणवान सहित मेंटेनेंस, ऑपरेशन एवं अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता अनिल सक्सेना ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि सतत जिम्मेदारी है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्चुअल संवाद कर युवाओं को दिया नशे से दूर रहने का मंत्र

बैतूल (ए.)। नशा मुक्ति युवा का विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत रविवार को जेएच कॉलेज स्थित अटल सभागार में मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा एक विशेष वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के प्रजार्पण, वंदे मातरम गायन और सामूहिक शपथ के साथ हुआ। कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं के साथ सीधा संवाद किया। समिति सदस्य श्री पवार ने कहा कि युवा जिस दिशा में गति करता है , उसी से देश की दिशा और दशा दोनों बदलती हैं। इसी तरह आज युवा पीढ़ी नशे की गरत में फंसते जा रही है, इसलिए हमें इन्हें बचाने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती बारस्कर ने कहा कि भारत सरकार द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान केवल सराहनीय ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक भी है। जिला युवा अधिकारी मेरा युवा भारत श्रीमती सुषमा गवली ने बताया कि यह निरंतर चलने वाला एक महा अभियान है, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा संपूर्ण देश में संचालित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य आज की युवा पीढ़ी को उस दिशा से बचाना है, जो उन्हें नशे की ओर ले जा रही है प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्चुअल संबोधन के माध्यम से सभी युवाओं को नशे से बचने और दूर रहने पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। प्रधानमंत्री ने युवाओं से नशे से दूर रहने का विशेष आग्रह करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

क्या आप भी फ्लाइट में बैठते ही सामने वाली पॉकेट में रखते हैं सामान? सच्चाई जानकर उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली (आरएनएस)। हवाई सफर के दौरान अक्सर हम अपनी सुविधा के लिए फ्लाइट में बैठते ही अपना मोबाइल फोन, पासपोर्ट, किताब या पानी की बोतल सीट के ठीक सामने बनी पॉकेट (Seat Back Pocket) में रख देते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं, तो अगली बार से इस आदत को तुरंत बदल डालिए। फ्लाइट अटेंडेंट्स ने विमान के अंदर की सफाई को लेकर एक ऐसा चौंकाने वाला खुलासा किया है, जिसे जानने के बाद शायद आप उस पॉकेट को छूना भी पसंद नहीं करेंगे। असल में, जिसे आप सबसे सुविधाजनक जगह समझकर अपना कीमती सामान रखते हैं, वह फ्लाइट की सबसे गंदी और भयंकर कीटाणुओं से भरी जगहों में से एक होती है।

केबिन क्रू भी भूलकर नहीं रखता अपना सामान

ट्रैवल प्लस लीजर (Travel + Leisure) की एक विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, कई फ्लाइट अटेंडेंट्स ने खुद यह कबूल किया है कि सीट बैक पॉकेट विमान का सबसे गंदा हिस्सा होता है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि पिछली उड़ानों में सफर करने वाले यात्री अक्सर इसमें अपने इस्तेमाल किए हुए गंदे टिश्यू पेपर, खाली रैपर, जूठा खाना और गंदे नैपकिन जैसी चीजें ठूंस कर छोड़ जाते हैं। क्रू मेंबर्स का कहना है कि कई बार पॉकेट के अंदर ऐसा खतरनाक कचरा मिलता है जिसे बिना दस्ताने पहने छूना भी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। इसी वजह से कोई भी केबिन क्रू मेंबर अपना निजी सामान वहां गलती से भी नहीं रखता है।

ट्रे टेबल पर भी मंडराता है बीमारियों का खतरा

सिर्फ सीट के सामने वाली पॉकेट ही नहीं, बल्कि विमान में आपके सामने लगी ट्रे टेबल भी सबसे ज्यादा कीटाणुओं वाली जगहों की सूची में टॉप पर आती है। यह वही टेबल है जिस पर यात्री अपना खाना रखकर खाते हैं, अपना लैपटॉप रखकर काम करते हैं और कई बार माता-पिता अपने छोटे बच्चों को भी इसी पर खिलाते हैं। हालांकि, हर उड़ान खत्म होने के बाद विमान की साफ-सफाई जरूर की जाती है, लेकिन लगातार उड़ानों के बीच समय इतना कम होता है कि हर बार इन सभी सतहों की गहराई से सफाई (Deep Cleaning) करना कर्मचारियों के लिए लगभग असंभव हो जाता है।

खुले गिलास के बजाय सीलबंद पानी है सबसे सुरक्षित

सफाई की इस बड़ी चुनौती को लेकर एक अनुभवी एयर होस्टेस ने भी अहम जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि लंबी उड़ानों के दौरान और लगातार इस्तेमाल के चलते कई बार विमान में मिलने वाले गिलासों को पूरी तरह से साफ करना एक मुश्किल काम बन जाता है। संक्रमण और बीमारियों से बचने के लिए वह खुद भी उड़ान के दौरान सिर्फ सीलबंद बोतल का ही पानी पीना पसंद करती हैं। उन्होंने यात्रियों को भी यही सलाह दी है कि हवाई सफर के दौरान वे हो सके तो अपनी पानी की बोतल घर से ही साथ लाएं या फिर एयरलाइन द्वारा दी जाने वाली सीलबंद पानी की बोतल का ही इस्तेमाल करें।

सफर के दौरान खुद को सुरक्षित रखने के तरीके

विशेषज्ञों की सख्त सलाह है कि फ्लाइट में अपनी सीट पर बैठने के बाद सबसे पहले ट्रे टेबल और आर्मरेस्ट को डिसइन्फेक्टेंट वाइप (Disinfectant Wipe) से अच्छी तरह साफ कर लेना चाहिए। सीट बैक पॉकेट में अपना मोबाइल फोन, खाने-पीने का सामान या कोई भी ऐसी चीज बिल्कुल न रखें जो बाद में सीधे आपके हाथों या चेहरे के संपर्क में आने वाली हो। इसके साथ ही, यात्रा के दौरान अपने साथ एक अच्छी क्वालिटी का हैंड सैनिटाइजर और वेट वाइप्स रखना एक बहुत ही अच्छी आदत है। फ्लाइट के अंदर कुछ भी खाने से पहले या टॉयलेट का इस्तेमाल करने के बाद अपने हाथों को अच्छी तरह सैनिटाइज जरूर करें, ताकि आपकी यात्रा सुरक्षित और संक्रमण मुक्त रह सके।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक सोमवार से, रेपो रेट यथावत रहने की संभावना

नई दिल्ली,(आरएनएस)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक 3 अगस्त से शुरू होकर पांच अगस्त तक चलेगी। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में होने वाली बैठक के निर्णय की जानकारी संजय मल्होत्रा 5 अगस्त को देंगे।

आर्थिक मामलों के जानकारों ने रविवार को बताया कि आरबीआई पश्चिम एशिया संकट और महंगाई के जोखिमों को देखते हुए इस बार भी अपने नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और उसे 5.25 फीसदी पर यथावत (अपरिवर्तित) रख सकता है।केंद्रीय बैंक ने वृद्धि दर को बढ़ावा देने के लिए पिछले साल नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 1.25 फीसदी की कटौती की थी। आरबीआई वर्तमान रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा है।

सिर्फ डिग्री से नहीं बनेगी बात! कैंपस प्लेसमेंट में मची इन 5 नए जॉब रोल्स की धूम, फ्रेशर्स की हो रही बंपर डिमांड

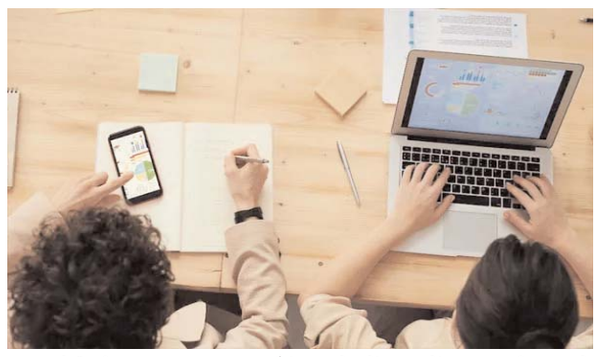

नई दिल्ली ,(आरएनएस) । कैंपस प्लेसमेंट का ट्रेंड अब पूरी तरह से बदल रहा है। अब कंपनियां केवल डिग्री देखकर नौकरियां नहीं बांट रही हैं, बल्कि उनकी नजर उम्मीदवारों की स्किल्स और काम करने की क्षमता पर है। टीमलीज एडटेक की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रेशर्स को हायर करने में कंपनियों की दिलचस्पी 73 फीसदी तक बढ़ गई है। सबसे खास बात यह है कि बाजार में ऐसे नए पदों पर बंपर हायरिंग हो रही है, जिनका एक साल पहले तक कोई खास वजूद ही नहीं था। एआई, ऑटोमेशन, क्लाउड टेक्नोलॉजी और डिजिटल बदलाव के इस दौर में अब किन नए रोल्स की मांग सबसे ज्यादा है, आइए विस्तार से जानते हैं।

एआई मार्केटिंग एसोसिएट की भारी डिमांड

मार्केटिंग के क्षेत्र में डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दबदबा तेजी से बढ़ा है। नियोक्ता अब ऐसे फ्रेशर्स की तलाश में हैं जो पहले दिन से ही एआई-आधारित टूल्स के साथ बेहतरीन काम कर सकें। इस रोल में युवाओं को कैंपेन एग्जीक्यूशन, एनालिटिक्स और परफॉर्मेंस ट्रैकिंग का अहम जिम्मा संभालना होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एआई मार्केटिंग एसोसिएट्स की बेंगलुरु, दिल्ली और कोच्चि जैसे शहरों में इस समय सबसे ज्यादा मांग है।

जूनियर डेवऑप्स इंजीनियर के लिए खुले दरवाजे

एक समय था जब डेवऑप्स को केवल अनुभवी पेशेवरों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब यहां फ्रेशर्स भी अपनी मजबूत जगह बना रहे हैं। आईटी सेक्टर में भर्ती की मांग 81 फीसदी के साथ सबसे ऊपर है। आईटी कंपनियां अब ऐसे जूनियर इंजीनियरों को हाथों-हाथ ले रही हैं जिन्हें लिनक्स, स्क्रिप्टिंग, क्लाउड और सीआई/सीडी पाइपलाइन की अच्छी समझ हो। इस रोल के लिए बेंगलुरु, मुंबई और कोयंबटूर प्रमुख हायरिंग हब बनकर सामने आए हैं।

नो-कोड वेबसाइट डेवलपर का बढ़ता क्रेज

टेक्नोलॉजी और तकनीकी भर्ती की दुनिया में नो-कोड वेबसाइट डेवलपर की मांग एक बहुत बड़ा बदलाव है। अब पारंपरिक कोडिंग की जगह नो-कोड प्लेटफॉर्म्स ने ले ली है। इसके तहत पेशेवर बिना लंबे कोड लिखे बेहतरीन वेबसाइट और एप्लिकेशन तैयार कर रहे हैं। मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग सेक्टर की कंपनियां ऐसे युवाओं को नौकरी दे रही हैं जिन्हें यूआई/यूएक्स और नो-कोड टूल्स की गहरी जानकारी हो। पुणे, हैदराबाद और अहमदाबाद जैसे शहरों में इन स्किल्स वाले उम्मीदवारों की जमकर तलाश की जा रही है।

एआई चैटबॉट सपोर्ट इंजीनियर की नई राह

कस्टमर सपोर्ट का तरीका भी अब पहले जैसा नहीं रहा और यह पूरी तरह से हाई-टेक हो गया है। कंपनियां अब सपोर्ट टीम में ऐसे युवाओं को शामिल कर रही हैं जो एआई चैटबॉट को मैनेज कर सकें और ग्राहकों की तकनीकी समस्याओं को तुरंत सुलझा सकें। इस तरह की नौकरियों के लिए एआई की समझ होना अनिवार्य है। चेन्नई, पुणे और कोच्चि जैसे शहरों में इन खास पदों पर लगातार भर्तियां देखने को मिल रही हैं।

अमेरिका को पछाड़ भारत ने सोलर एनर्जी में दुनिया को दिखाया दम, बिजली की कीमत सुन रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली (ए.)। भारत में स्थापित सोलर एनर्जी क्षमता 2014 में सिर्फ 3 गीगावाट से बढ़कर 30 जून, 2026 तक 162.15 गीगावाट के स्तर पर पहुंच गई है, जो देश में रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में आए बड़े बदलाव को दिखाता है। यह जानकारी सरकार की ओर से रविवार को दी गई। सरकारी फैक्टशीट में कहा गया है कि देश ने 2025 में 37 गीगावाट सोलर क्षमता जोड़ी, जिससे सालाना क्षमता बढ़ोतरी के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए, यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर ग्रोथ मार्केट बन गया।सोलर सेक्टर में सबसे अहम बदलावों में से एक पिछले दशक में बिजली की दरों में आई कमी है। यह 'ई-रिवर्स ऑक्शन' सिस्टम के जरिए हुई बोली की वजह से हुआ, जिसमें कंपनियां सबसे कम दर पर बिजली आपूर्ति करने के लिए मुकाबला करती हैं। जैसे-जैसे अधिक डेवलपर्स ने हिस्सा लिया, दरें 2010 में लगभग 18 रुपए प्रति यूनिट से घटकर 2.44 रुपए प्रति यूनिट के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गईं। दरों में कमी ने सोलर पावर को काफी सस्ता बना दिया है। इसके चलते, भारत दुनिया के सबसे कम लागत वाले सोलर पावर मार्केट में से एक बनकर उभरा है। 2025 में, यूटिलिटी-स्केल सोलर पीवी से बिजली की 'लेवेलाइज्ड कॉस्ट ऑफ इलेक्ट्रिसिटी' (एलसीओई) 35

डॉलर प्रति मेगावाट थी, जो 44 डॉलर प्रति मेगावाट के ग्लोबल औसत से काफी कम है।31 जुलाई, 2026 को 'प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना' (पीएम-एसएसवाई) को मंजूरी मिलने से भारत के सोलर सेक्टर को बड़ा बढ़ावा मिला है। इस योजना का मकसद 'एनर्जी स्टोरेज सिस्टम' (ईएसएस) के साथ 5,000 मेगावाट के 'फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक' (एफएसपीवी) प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट करना है। कम से कम दो घंटे (10,000 मेगावाट) की स्टोरेज क्षमता वाला ईएसएस राज्यों को पीक डिमांड को मैनेज करने में और मदद करेगा। मौजूदा जलाशयों और इंडस्ट्रियल तालाबों का इस्तेमाल करके, यह योजना जमीन जैसे सीमित संसाधनों पर दबाव कम करेगी। यह इंटीग्रेटेड एनर्जी स्टोरेज के जरिए ग्रिड की विश्वसनीयता को भी बेहतर बनाएगी। 5,070 करोड़ रुपए के बजट के साथ, यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू की जाएगी।भारत में बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स की स्थापित क्षमता 118.79 गीगावाट है। कुछ बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स में भादला सोलर पार्क (राजस्थान), पावगाडा सोलर पार्क (कर्नाटक) और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क (मध्य प्रदेश) शामिल हैं। इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड से जुड़े रूफटॉप सोलर सिस्टम से 27.88 गीगावाट की क्षमता मिलती है। बाकी क्षमता हाइब्रिड सोलर प्रोजेक्ट्स और ऑफ-ग्रिड सोलर सिस्टम से आती है। हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स में सोलर पावर के साथ बैटरी स्टोरेज या दूसरे पावर सोर्स का इस्तेमाल होता है, जबकि ऑफ-ग्रिड सिस्टम उन इलाकों में बिजली पहुंचाते हैं जो ग्रिड से नहीं जुड़े हैं।

देश की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता 283.46 गीगावाट तक पहुंच गई है, जिसमें 274.68 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता शामिल है। 29 जुलाई 2025 को, रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स ने भारत की बिजली की 51.5 प्रतिशत मांग पूरी की, जो अब तक का सबसे अधिक मासिक हिस्सा है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

लोकतांत्रिक पहल का नया दरवाजा खुला

अवसरहीनता से जूझ रही नई पीढ़ी 'अतीत के गौरव की वापसी', 'विकसित भारत', या 'विश्व गुरु' जैसी कहानियों से प्रभावित नहीं है। वह मोदी सरकार से उसके 12 साल के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है।

एक मंत्री को इस्तीफा देने पर मजबूर करने की कॉकरोच आंदोलन की सफलता से जनमत के एक हिस्से में "लोकतंत्र के जिंदा होने" का बना अहसास यही बताता है कि हालिया वर्षों में "लोकतंत्र की स्थिति" लेकर इस दायरे में कितनी मायूसी छायी रही है। यह भावना जवाबदेही तय करने वाली संस्थाओं के पंगु होने और लोकतांत्रिक अधिकारों के सिकुड़ते जाने की धारणा से पैदा हुई है। कॉकरोच आंदोलन दरअसल, इन सबसे ही गहराती हताशा एवं बढ़ते आक्रोश की सामूहिक अभिव्यक्ति का जरिया बना।

इस दौरान दिखी खासकर युवा वर्ग की उत्साही भागीदारी एवं जोश भरी प्रतिक्रियाओं ने कुछ ठोस संकेत दिए। मसलन, यह कि हवाई कथानकों के जरिए जमीनी नाकामियों को छिपाने में सत्ता पक्ष को मिली कामयाबियों का दौर अब ठहर चुका है। अवसरहीनता और अंधकारमय भविष्य से जूझ रही नई पीढ़ी 'अतीत के गौरव की वापसी', 'विकसित भारत', या 'विश्व गुरु' जैसी कहानियों से प्रभावित नहीं है। वह नरेंद्र मोदी सरकार से उसके 12 साल के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है। इस अर्थ में कहा जा सकता है कि नैरेटिव कंट्रोल की मोदी की क्षमता पहली बार चूकती नज़र आई। मध्य एवं उच्च मध्यम वर्ग से आए पढ़े-लिखे एवं नई संचार तकनीक के इस्तेमाल में माहिर नौजवानों ने जो किताबों में पढ़ा और सरकारी प्रचार-तंत्र से सुना, उसका परीक्षण वे हकीकत के बरक्स कर रहे हैं।

इससे लोकतांत्रिक पहल का नया दरवाजा खुला है। लेकिन हमें सचेत रहना चाहिए कि अक्सर स्वत:स्फूर्त, असंगठित, एवं नेतृत्व-विहीन आंदोलन ऐसा अवसर पैदा करने के बाद बिखराव का शिकार हो जाते हैं। ऐसे अवसरों का लाभ उठाने का दायित्व संगठित राजनीतिक दलों पर होता है। फिलहाल, इस बिंदु पर आशाजनक संकेत नहीं हैं। इसलिए कि नई पीढ़ी के आंदोलन से उपजी संभावना को उम्मीद जगाने वाले जिस एजेंडे से राजनीतिक पूंजी में तब्दील किया जा सकता है, भाजपा विरोधी दलों में वैसा करने की क्षमता या जज्बे का अभाव नजर आता है। अत: इस आंदोलन से मोदी की आभा भले धुंधली हो गई हो, लेकिन संभव है कि सत्ता तंत्र पर उनकी पकड़ कमजोर करने का रास्ता अभी भी दुरूह बना हुआ हो।

देश के युवाओं में गुस्सा भरा हुआ

हरिशंकर व्यास

तभी जब आंदोलन शुरू हुआ तब सरकार और विपक्ष दोनों में किसी को अंदाजा नहीं था कि देश के युवाओं में इतना गुस्सा भरा हुआ है। तभी सब खामोश थे या अपनी पारंपरिक राजनीति में रमे हुए थे। दूसरी ओर युवा इस आंदोलन को बारीकी से देख रहे थे। उनके अंदर यह भावना थी कि लद्दाख से आया हुआ एक व्यक्ति उनके लिए भूख हड़ताल कर रहा है। तभी जब 18 जुलाई की सुबह सोनम वांगचुक को पुलिस ने जंतर मंतर से उठाया उसके बाद छात्रों और युवाओं के धैर्य का बांध टूट गया। उन्होंने जंतर मंतर की ओर कूच किया। 19 जुलाई की रात को जंतर मंतर पर जैसा माहौल था वह अद्भुत था। कंधे पर बस्ता टांगे बच्चे अपने आप वहां पहुंच रहे थे। तभी 20 जुलाई की सुबह, जो नजारा दिखा वह अद्भुत था। किसी ने कहा था कि फ्रांस की गौरवशाली क्रांति के समय जीवित होना बड़ी बात थी लेकिन युवा होना तो स्वर्गिक था। कुछ उस तरह का माहौल और उस तरह की फीलिंग सिर्फ जंतर मंतर पर नहीं, बल्कि पूरी दिल्ली कि फिजां में थी।

इस आंदोलन का अब चाहे जो नतीजे निकले लेकिन यह तय मानें कि एक पूरी पीढ़ी की स्मृति में यह बात दर्ज हो गई कि वे अपने अधिकार के लिए जंतर मंतर पर इकट्ठा हुए और पुलिस ने लाठी चला कर, आंसू गैस के गोले छोड़ कर या पानी की बौछार करके उनका हौसला तोड़ने की कोशिश की। सबको पता है कि पुलिस कामयाब नहीं हुई। पुलिस और सरकार की नाकामी भी एक पूरी पीढ़ी की स्मृति में दर्ज हो गई है।

यह वो पीढ़ी है, जिसने भारत की राजनीति को परिभाषित और प्रभावित करने वाली तीन दशक पहले की घटनाओं को नहीं देखा है। उनके लिए यह सबसे बड़ी घटना है। उनका राजनीतिक और मतदान व्यवहार भी इस घटना से प्रभावित होगा। तभी 20 जुलाई के बाद से सरकार और भाजपा के हाथ पांव फूले हैं। उनको समझ में आ रहा है कि इस पीढ़ी के लिए अयोध्या के मंदिर की स्मृति चढ़ावा चोरी वाली है और शिक्षा व परीक्षा व्यवस्था को लेकर उनकी स्मृति लाठीचार्ज वाली है। तभी देश भर के छात्र व युवा इस आंदोलन से जुड़े और बिना कहे उन्होंने हर गांव, कस्बे और शहर में एक जंतर मंतर बना दिया।

सावन विशेष : भगवान शिव का अद्भुत स्वरूप और उसमें छिपा जीवन-दर्शन

-उदय कुमार सिंह

मानव जीवन के समस्त पापों, कष्टों और संतापों का शमन करने वाला पावन सावन मास आरंभ हो चुका है। देशभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं का भीड़ उमड़ रही है। हर ओर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष गूंज रहे हैं। शिवभक्त भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि, आरोग्य और मोक्ष का आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना कर रहे हैं। सावन का महीना केवल जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और व्रत-उपवास तक सीमित नहीं है। यह आत्मशुद्धि, संयम, तप और शिवत्व को अपने जीवन में उतारने का भी अवसर है। इस पूरे महीने आप भी किसी न किसी शिवालय में जाकर भगवान शिव की आराधना कर रहे हैं लेकिन क्या आपने कभी यह जानने का प्रयास किया है कि भगवान शिव का स्वरूप ऐसा क्यों है? उन्होंने अपने शरीर पर जो कुछ धारण किया है, उसका क्या महत्व है? क्या यह केवल पौराणिक अलंकरण है या फिर हर प्रतीक के पीछे कोई गहन आध्यात्मिक संदेश छिपा है?वास्तव में भगवान शिव का स्वरूप जितना अलौकिक दिखाई देता है, उतना ही गूढ़ और दार्शनिक भी है। उनकी विशाल जटाओं से लेकर मस्तक पर सुशोभित चंद्रमा, तीसरे नेत्र, नीलकंठ, गले में लिपटे सर्प, मुंडमाला, त्रिशूल, डमरू, व्याघ्रचर्म, भस्म और नंदी इन सभी का अपना विशिष्ट महत्व है। शिव का प्रत्येक अंग और प्रत्येक आभूषण जीवन को सही दिशा देने वाली शिक्षा प्रदान करता है।क्या वास्तव में भगवान शिव का स्वरूप ऐसा ही था?सनातन परंपरा में शिव को साकार और निराकार दोनों रूपों में स्वीकार किया गया है। वे कण-कण में विद्यमान हैं इसलिए उन्हें किसी एक स्वरूप में सीमित नहीं किया जा सकता।फिर भी आज जो शिव स्वरूप प्रचलित है, वह निराधार नहीं है। पुराणों, वेदों, उपनिषदों और विभिन्न धार्मिक आख्यानों में भगवान शिव के गुण, कर्म और लीलाओं का जो वर्णन मिलता है, उसी के आधार पर कलाकारों और मूर्तिकारों ने उनके स्वरूप की कल्पना की। इसलिए शिव का प्रत्येक प्रतीक उनके व्यक्तित्व और उनके दिव्य संदेश का प्रतिनिधित्व करता है।

आइए जानते हैं भगवान शिव के स्वरूप में निहित आध्यात्मिक रहस्यों को।

जटाएं = अनंत ब्रह्मांड और तप का प्रतीकभगवान शिव की विशाल जटाएं केवल उनके योगी स्वरूप का परिचय नहीं देतीं, बल्कि वे संपूर्ण ब्रह्मांड का भी प्रतीक हैं। जिस प्रकार अंतरिक्ष में असंख्य ग्रह, नक्षत्र, आकाशगंगाएं और तारामंडल विद्यमान हैं, उसी प्रकार शिव की जटाएं अनंत सृष्टि का बोध कराती हैं। इन्हीं जटाओं में मां गंगा का अवतरण हुआ और मस्तक पर चंद्रमा सुशोभित हैं। जटाएं यह भी दर्शाती हैं कि शिव पूर्ण योगी हैं, जिन्होंने सांसारिक आकर्षणों पर विजय प्राप्त कर तप और आत्मसंयम को अपनाया।

मां गंगा: करुणा और जीवन का प्रवाहपौराणिक कथा के अनुसार जब मां गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुईं, तब उनके तीव्र वेग को संभालने के लिए भगवान शिव ने उन्हें अपनी जटाओं में धारण किया। यह प्रसंग केवल कथा नहीं बल्कि यह संदेश देता है कि शक्ति तभी कल्याणकारी बनती है जब उस पर संयम का नियंत्रण हो। शिव की जटाओं से प्रवाहित होती गंगा जीवन, पवित्रता, करुणा और लोककल्याण की प्रतीक हैं।

चंद्रमा : शांत और निर्मल मन का प्रतीकसमुद्र मंथन से निकले चौदह रत्नों में चंद्रमा भी एक थे। भगवान शिव ने उन्हें अपने मस्तक पर स्थान दिया। ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा मन का कारक माना जाता है। शिव के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा यह संदेश देता है कि मन सदैव शांत, संतुलित और निर्मल होना चाहिए। परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, स्थिर मन वाला व्यक्ति ही सही निर्णय ले सकता है।

त्रिनेत्र : ज्ञान और चेतना का प्रतीकभगवान शिव त्रिनेत्रधारी हैं। उनके तीन नेत्र केवल तीन आंखें नहीं, बल्कि तीन प्रकार की चेतना का प्रतीक हैं। ये तीनों नेत्र भूत, वर्तमान और भविष्य के ज्ञान, सत्त्व, रज और तम तीनों गुणों की समझ तथा स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल तीनों लोकों पर दृष्टि का संकेत देते हैं। शिव का तीसरा नेत्र दिव्य ज्ञान का प्रतीक है। जब यह खुलता है तो अज्ञान, अधर्म और अहंकार का अंत हो जाता है।

नीलकंठ : विष को भी स्वीकार करने का साहससमुद्र मंथन के समय निकले कालकूट विष से संपूर्ण सृष्टि संकट में पड़ गई थी। तब भगवान शिव ने संसार की रक्षा के लिए उस विष का पान कर लिया। माता पार्वती ने उसे उनके कंठ से नीचे नहीं उतरने दिया, जिससे उनका कंठ नीला हो गया और वे नीलकंठ कहलाए। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि महान व्यक्ति समाज की पीड़ा स्वयं सह लेते हैं लेकिन उसे दूसरों तक नहीं पहुंचने देते।

सर्पों का हार: नकारात्मक प्रवृत्तियों पर नियंत्रणसर्प सामान्यत: भय, मृत्यु और तमोगुण का प्रतीक माना जाता है। भगवान शिव ने उसे अपने गले का आभूषण बना लिया। इसका अर्थ है कि जिसने अपने भय, क्रोध, मोह और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त कर ली, वही सच्चा योगी है। शिव यह संदेश देते हैं कि मनुष्य को अपनी दुर्बलताओं का दास नहीं बल्कि स्वामी बनना चाहिए।

मुंडमाला : मृत्यु के शाश्वत सत्य का बोधभगवान शिव के गले में सुशोभित मुंडमाला जीवन और मृत्यु के सनातन चक्र का प्रतीक है। एक पौराणिक मान्यता के अनुसार यह देवी शक्ति के अनेक जन्मों का प्रतीक है, जबकि दार्शनिक दृष्टि से यह बताती है कि जन्म और मृत्यु प्रकृति का अटल नियम हैं। शिव मृत्यु के भी स्वामी हैं। इसलिए वे हमें मृत्यु से भयभीत होने के बजाय उसे जीवन का स्वाभाविक सत्य स्वीकार करने की प्रेरणा देते हैं।

त्रिशूल : तीन प्रकार के तापों का नाशभगवान शिव का प्रमुख आयुध त्रिशूल है। इसके तीन फलक दैहिक, दैविक और भौतिक इन तीन प्रकार के तापों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दैहिक अर्थात शरीर और मन के कष्ट, दैविक अर्थात प्राकृतिक अथवा दैवी संकट तथा भौतिक अर्थात सांसारिक दुख। शिव का त्रिशूल इन सभी कष्टों के विनाश का प्रतीक है।

डमरू : सृष्टि के प्रथम नाद का प्रतीकभगवान शिव के हाथ में स्थित डमरू सृष्टि की आदिम ध्वनि का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि डमरू के नाद से महेश्वर सूत्र प्रकट हुए, जिनसे संस्कृत व्याकरण की आधारशिला रखी गई। शिव का तांडव केवल विनाश नहीं बल्कि नवसृजन की भूमिका भी है। जब पुराना समाप्त होता है, तभी नए युग का आरंभ होता है। इसलिए डमरू परिवर्तन, सृजन और जीवन की निरंतरता का प्रतीक है।

व्याघ्रचर्म : शक्ति पर संयम का संदेशभगवान शिव अपने शरीर पर व्याघ्रचर्म धारण करते हैं। बाघ शक्ति, हिंसा और अहंकार का प्रतीक माना जाता है। शिव यह संदेश देते हैं कि शक्ति आवश्यक है, लेकिन उसका उपयोग केवल धर्म और न्याय की रक्षा के लिए होना चाहिए। स्वाभिमान मनुष्य का आभूषण है, परंतु अहंकार उसका सबसे बड़ा शत्रु।

भस्म : संसार की नश्वरता का संदेशभगवान शिव अपने शरीर पर भस्म धारण करते हैं। यह भस्म हमें याद दिलाती है कि शरीर, धन, वैभव और संसार की प्रत्येक वस्तु नश्वर है। एक दिन सब कुछ मिट्टी में मिल जाएगा। इसलिए मनुष्य को अहंकार त्यागकर सत्य, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलना चाहिए।

नंदी : धर्म, निष्ठा और समर्पण का प्रतीकभगवान शिव के वाहन नंदी केवल एक बैल नहीं हैं। धर्मशास्त्रों में वृषभ को धर्म का प्रतीक माना गया है। नंदी के चार पैर धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चार पुरुषार्थों का प्रतिनिधित्व करते हैं। शिव मंदिरों में नंदी सदैव शिवलिंग की ओर एकटक देखते हुए दिखाई देते हैं, जो अटूट श्रद्धा, समर्पण और एकाग्रता का सर्वोच्च उदाहरण है।

शिव का संपूर्ण स्वरूप क्या सिखाता है? भगवान शिव का पूरा स्वरूप संतुलन का संदेश देता है। वे योगी भी हैं और आदर्श गृहस्थ भी। वे संहारक भी हैं और कल्याणकारी भी। वे वैराग्य के प्रतीक भी हैं और परिवार के संरक्षक भी। उनकी जटाएं संयम सिखाती हैं, चंद्रमा मन की शीतलता का संदेश देता है, तीसरा नेत्र विवेक का प्रतीक है, सर्प भय पर विजय का, त्रिशूल कष्टों के विनाश का, डमरू सृजन का, व्याघ्रचर्म अहंकार पर नियंत्रण का, भस्म नश्वरता का और नंदी धर्म के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है।

जिसने परमात्मा का साक्षात् अनुभव कर लिया, वह उस दिव्य अनुभूति को शब्दों में व्यक्त करने में स्वयं को असमर्थ पाता है। इसलिए ऋषि-मुनियों ने ईश्वर के स्वरूप को प्रतीकों के माध्यम से समझाने का प्रयास किया। भगवान शिव का प्रत्येक प्रतीक जीवन-दर्शन का एक अध्याय है।सावन का यह पावन महीना केवल शिवलिंग पर जल अर्पित करने का अवसर नहीं बल्कि भगवान शिव के गुणों संयम, करुणा, धैर्य, त्याग, संतुलन, निर्भयता और लोककल्याण की भावना को अपने जीवन में उतारने का भी समय है। जब मनुष्य इन गुणों को आत्मसात कर लेता है, तभी उसकी शिवभक्ति पूर्ण मानी जाती है।

छात्रों और युवाओं के आंदोलन का अपमान

अजीत द्विवेदी

आपदा को अवसर बनाने की कला में माहिर राइटविंग के कई इन्फ्लूएंसर और हर घटनाक्रम में साजिश का पहलू खोजने वाले मोदी विरोधी दोनों एक साथ दावा कर रहे हैं कि जंतर मंतर पर हुआ आंदोलन प्रायोजित था और इस आंदोलन से सरकार को बहुत फायदा हुआ है। कहा जा रहा है कि सरकार बड़ी सफलता के साथ राममंदिर के चढ़ावा चोरी और इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का मुद्दा लोगों के जेहन से निकालने में कामयाब हो गई। सोचें, यह कितना बेसिरपैर का तर्क है?

चढ़ावा चोरी अब भी लोगों के जेहन में है और ई-20 पेट्रोल का मामला लोगों के अपने जीवन और उनकी जेब से जुड़ा है इसलिए वह भी ध्यान से नहीं निकलने वाला है। ई-20 पार्टी नाम से एक संगठन बन गई है, जिसकी ओर से आंदोलन की तैयारी की जा रही है। फिर भी अगर यह प्रायोजित आंदोलन था तो कह सकते हैं कि सरकार ने सिर दर्द से छुटकारा पाने के लिए गर्दन कटवाने का काम किया है।

असल में आंदोलन को प्रायोजित बताने वाले लोग छात्रों और युवाओं के इस आंदोलन का अपमान कर रहे हैं। वे छात्रों और युवाओं को सरकार या किसी और के हाथ का प्यादा साबित करने में लगे हैं। हकीकत यह है कि इस तरह की बात करने वालों को अपनी नई पीढ़ी के बारे में कोई अंदाजा नहीं है और वे उन्हें समझने का प्रयास भी नहीं कर रहे हैं। उनको पता नहीं है कि जितना बड़ा आंदोलन जंतर मंतर पर था उससे कितना बड़ा आंदोलन पूरे देश में चल रहा था। युवाओं ने इंस्टाग्राम को ही जंतर मंतर बना दिया था, जहां वे अपनी लड़ाई लड़ रहे थे। उन्हें और उनके आंदोलन को डिमीन करने या अपमानित करने से पहले उन्हें समझने की कोशिश करनी चाहिए। यह ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें पुराने मुहावरों या मूल्यों के आधार पर नहीं समझा जा सकता है। उनके सभी बुनियादी मूल्य बदल गए हैं, उन्हें पुराने फॉर्मूले से आप पहचान नहीं पाएंगे। उनके लिए कमाई और सफलता की धारणा बदल गई है। वे बिना ऑफिस स्पेस के ऑफिस चलाते हैं, बिना पारंपरिक मुद्रा के कमाई करते हैं, उनकी सफलता उम्र और अनुभव का इंतजार नहीं करती है। जन्म के साथ मिली पहचान की धारणा को उन्होंने काफी हद तक तोड़ दिया है। इस रूप में उन्हें स्वीकार कीजिए और उन्होंने जो हासिल किया है उसका उत्सव मनाइए।इसके उलट यह प्रचार करना मूर्खता है कि सरकार ने या किसी और ने आंदोलन को प्रभावित किया। वास्तविकता यह है कि इस आंदोलन से सरकार को कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। उलटे सरकार ने अपनी साख, अपनी लोकप्रियता और अपना समर्थन गंवाया है। एक पूरी पीढ़ी की स्मृतियों में दशकों तक जंतर मंतर की तस्वीरें रहेंगी। उनको याद रहेगा कि जब वे अपनी तकलीफों का समाधान मांगने जंतर मंतर पर गए थे तब सरकार ने उनके ऊपर लाठियां चलवाई थीं, आंसू गैस के गोले छोड़े थे, उनको घायल करने के लिए पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया था। उन्हें याद रहेगा कि उनकी रचनात्मकता और लोकप्रियता से घबराई सरकार ने इंटरनेट बंद कर दिया था। उनके सहयोग के लिए बढ़े हाथों को कानूनी दांव पेंच के जरिए रोका था। जंतर मंतर की तरफ बढ़ने वाले कदमों की रफ्तार रोकने के लिए कई दिन तक मेट्रो बंद रखे गए थे। फूड डिलीवरी ऐप्स को रोका गया था। जंतर मंतर के आसपास के दुकानदारों को धमकाया गया था। छात्रों के ऊपर मुकदमे किए गए थे।ये तमाम बातें नई पीढ़ी के युवाओं की स्मृति में स्थायी रूप से दर्ज रहेंगी। जिस तरह से आजादी के बाद की पीढ़ी की यादों में आजादी की लड़ाई के मूल्य दर्ज थे उसी तरह इस पीढ़ी की यादों में पेपर लीक से लेकर पुलिस के लाठी चलाने तक की घटना दर्ज रहेगी। उनका राजनीतिक और मतदान व्यवहार इससे प्रभावित होगा। राजनीतिक पार्टियां आमतौर पर मानती हैं कि एक बार आंदोलन खत्म होने के बाद सब कुछ बदल जाता है और पुराने ढर्रे पर लौट आता है। याद करें कैसे किसान आंदोलन खत्म होने के बाद वापस लौटे किसानों ने अपनी किसान वाली अस्मिता छोड़ दी थी और घर में खूंटी पर टंगी जाति और धर्म वाली अस्मिता ओढ़ ली थी।वैसे ही भाजपा को लग रहा होगा कि छात्र और युवा भी घर लौटेंगे तो प्रदर्शनकारी 'जेन जी' वाली अस्मिता खूंटी पर टांग देंगे और जाति व धर्म वाली अस्मिता ओढ़ लेंगे। हो सकता है कि कुछ युवाओं के साथ ऐसा हो लेकिन व्यापक रूप से उनके व्यवहार में बदलाव होने की संभावना कम है।

मेष राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से हो सकती है , आपकी पुरानी यादें ताज़ा होंगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए शुभफलदायक रहने वाला है। आपकी कार्य योजनाओं को नई गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी जिनसे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आपको बड़ों का साथ व सहयोग भरपूर मात्रा में मिलेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है, आज बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए आपको बढ़िया मौका मिलेगा। कॉम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए। जिस व्यक्ति की आपने कभी मदद की थी वह आज आपके काम आएगा।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त होने के योग बने हुए हैं। आज शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। आज निवेश संबंधी मामलों को नई गति मिलेगी। आज किसी अजनबी पर सोच समझकर भरोसा करें।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से भी बच जायेंगे।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपके बढ़ते खर्चे समस्या का कारण बन सकते हैं इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें। आज किसी संपत्ति का क्रय विक्रय जल्दबाजी में ना करें।

तुला राशि : आज का दिन ताजगी से भरा रहने वाला है रहेगा। आज किसी करीबी व्यक्ति से काम संबंधी नाराजगी दूर होगी। जिन बातों में आपकी ज्यादा रुचि है, आज उन पर ज्यादा ध्यान देंगे आपको खुशी होगी। आज आपके घर में नन्हें मेहमान के आगमन का योग बन रहा है साथ ही धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी। आज आप अन्य लोगों ने जिस प्रकार से अपने काम में प्रगति की

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज व्यावसायिक मामलों में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए अधिक मेहनत करने की जरूरत है। विरोधी आज आपके काम में व्यवधान डालने की कोशिश करेंगे लेकिन आप अपनी समझदारी से उससे बाहर निकल आएंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है, बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। आज छोटा-बड़ा फैसला लेते वक्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको बढ़िया मुनाफा होगा।

मकर राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में खुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंगों से भरा रहने वाला है। आज अपने काम को नया रूप देने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों में भी रुचि रहेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता से संबंधित गतिविधियों में आज सफलता मिल सकती हैं। व्यावसायिक गतिविधियों में आज सुधार आएगा।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आप बिजनेस में लाभ लेने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। साथ ही आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा ताकि आप अपना मन काम में लगा सके।

ग्लासगो की सीमित राह पर भारत ने असीमित संभावनाएँ खोल दी

खेल बदले, चेहरे बदले, मगर जीत का भारतीय जज़्बा नहीं बदला कॉमनवेल्थ के बदले रंगमंच पर भारत का नया स्वर्णिम अध्याय

कृति आरके जैन

राष्ट्रों की असली ऊंचाई उनके हिस्से आए अवसरों से नहीं, छिन गए अवसरों के बाद के प्रदर्शन से मापी जाती है। ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का कार्यक्रम सिमटा। कुश्ती, बैडमिंटन, शूटिंग और हॉकी जैसे भारत के पारंपरिक खेल बाहर कर दिए गए। परिस्थितियां भारत के विरुद्ध थीं, लेकिन परिणाम उसके पक्ष में रहे। तेरह स्वर्ण, सत्रह रजत, नौ कांस्य सहित कुल उनतालीस पदकों के साथ चौथा स्थान केवल उपलब्धि नहीं, राष्ट्रीय आत्मविश्वास का प्रमाण है। इसने दुनिया को बता दिया कि विजेता अवसरों की प्रतीक्षा नहीं करते, सीमित अवसरों को नई संभावनाओं में बदल देते हैं। ग्लासगो भारत के लिए केवल पदकों का पड़ाव नहीं, उस जिद का उद्घोष बन गया जिसने हर बाधा को अपनी सबसे बड़ी ताकत में बदल दिया।

जहां पुराने सहारे छूटे, वहीं भारत ने नई ताकत गढ़ ली। मुक्केबाजी इस अभियान की सबसे बड़ी पहचान बनी। सात स्वर्ण और तीन रजत के साथ भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स के एक संस्करण में मुक्केबाजी में किसी भी देश के सर्वाधिक स्वर्ण का इतिहास रचा। साक्षी चौधरी, प्रीति पवार, जैस्मिन लंबोरिया, प्रिया घंगास, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवाच और अंकुश पंघाल ने केवल स्वर्ण नहीं जीते, बल्कि साबित किया कि भारत अब स्थापित खेल संस्कृतियों का अनुयायी नहीं, नई खेल संस्कृति का निर्माता है। लवलीना बोरगोहेन का रजत निरंतरता का प्रमाण बना। कुश्ती, बैडमिंटन, शूटिंग और हॉकी के बाहर होने पर भारत ने मुक्केबाजी को सबसे प्रभावी अस्त्र बनाया। दुनिया ने देखा, जीत संसाधनों से नहीं, संकल्प से मिलती है। भारत ने रिंग में प्रतिद्वंद्वियों और हार मानने वाली मानसिकता को परास्त किया।ग्लासगो ने साबित किया कि भारत की खेल क्रांति अब सीमित नहीं रही। भारोत्तोलन, पैरा एथलेटिक्स और जूडो इसके प्रमाण बने। मीराबाई चानू का लगातार तीसरा स्वर्ण अब व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, भारतीय खेल इतिहास की किंवदंती है। पैरा एथलीटों ने सात पदक जीतकर पिछले सभी संस्करणों के कुल पदकों की बराबरी की। शर्मिला धनकर और सोमन राणा ने साबित किया कि सीमाएं शरीर नहीं, संकल्प तय करता है। जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह का पहला स्वर्ण बताता है कि भारत अब केवल पारंपरिक खेलों का देश नहीं रहा। जो खेल कभी हाशिये पर थे, आज भारतीय अभियान की नई पहचान हैं। यही सबसे बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि पदक समय के साथ दर्ज होते हैं, लेकिन बदली खेल संस्कृति पीढ़ियों का भविष्य गढ़ती है।एथलेटिक्स में भारत अब अपवाद नहीं, निरंतरता गढ़ रहा है। गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर में कांस्य के साथ एक ही संस्करण में दो पदक जीतकर भारतीय एथलेटिक्स का नया अध्याय लिखा। तेजस्विन शंकर का डेकैथलॉन कांस्य और सरवेश कुशारे का हाई जंप रजत भी इसी बदलाव के प्रमाण हैं। कभी यहां सफलता विरल थी, आज वह लगातार दिखाई देने लगी है। यह केवल खिलाड़ियों का नहीं, प्रतिभा की पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और मजबूत व्यवस्था का परिणाम है। खेल महाशक्तियां ऐसे ही बनती हैं—जहां पदक संयोग नहीं, सतत प्रक्रिया बन जाते हैं।

ग्लासगो का सबसे बड़ा संदेश पदक नहीं, भारत की बदली खेल व्यवस्था है। कभी वह चुनिंदा खेलों पर निर्भर थी, लेकिन संकुचित खेल कार्यक्रम ने यह धारणा तोड़ दी। भारत ने शिकायत नहीं की, नए अवसर गढ़े। मुक्केबाजी, जूडो और पैरा खेल, जो कभी हाशिये पर थे, आज भारतीय अभियान का आधार हैं। यह बदलाव वैज्ञानिक कोचिंग, खेल विज्ञान, शारीरिक-मानसिक प्रशिक्षण और गांवों-छोटे शहरों तक पहुंची प्रतिभा खोज का परिणाम है। भारत ने दिखाया कि परिस्थितियां नहीं, तैयारी निर्णायक होती है। जब कई समृद्ध देश सुविधाओं पर भरोसा करते हैं, भारत ने सिद्ध किया कि इच्छाशक्ति, अनुशासन और दूरदृष्टि किसी भी खेल अवसंरचना से कम नहीं। यही इस अभियान की सबसे बड़ी जीत है—भारतीय खेल व्यवस्था की परिपक्वता।जीत का सबसे ऊंचा शिखर पदक नहीं, बदली मानसिकता होती है। कभी भारतीय खिलाड़ी विश्व मंच पर सम्मान बचाने उतरते थे, आज इतिहास रचने उतरते हैं। सात मुक्केबाजी स्वर्णों ने दुनिया को बता दिया कि भारतीय मुट्ठियां अब जवाब देना जानती हैं। मीराबाई चानू का तीसरा स्वर्ण सिद्ध करता है कि महानता निरंतर साधना की उपज है। पैरा एथलीटों ने साबित किया कि सीमाएं शरीर नहीं, मन तय करता है। गुलवीर सिंह, तेजस्विन शंकर, सरवेश कुशारे, अस्मिता डे और हर्ष सिंह नई पीढ़ी के प्रतीक हैं, जो पूरे भारत की सामूहिक शक्ति हैं। इसलिए ग्लासगो केवल खिलाड़ियों की जीत नहीं, उस भारत की विजय है जिसने अपनी संभावनाएं पहचान लीं ग्लासगो ने मंजिल नहीं, आगे की राह तय की। अगला पड़ाव 2030 का अहमदाबाद है। ग्लासगो ने भारत को विश्वास दिया कि खेलों का कार्यक्रम बदले, प्रतिस्पर्धा कठिन हो या परिस्थितियां प्रतिकूल—जीवंत व्यवस्था और अडिग संकल्प सफलता का रास्ता बना लेते हैं। अहमदाबाद केवल अगला आयोजन नहीं, इसी विश्वास की अगली परीक्षा है। यह आत्मविश्वास हर गांव, हर कस्बे और हर खेल अकादमी तक पहुंचना चाहिए। यदि यही गति रही, तो भारत केवल पदक तालिका में नहीं, विश्व खेल संस्कृति के नेतृत्व में भी सम्मानपूर्वक खड़ा होगा। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी संसाधन नहीं, तैयारी और विश्वास हैं—भारत ने इन्हें अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

सोमवार 03 अगस्त 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा दौरे पर रहेंगी, जगद्गुरु कृपालु विश्वविद्यालय का करेंगी उद्घाटन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 3 से 5 अगस्त, 2026 तक ओडिशा के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वे शिक्षा, संस्कृति और धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेंगी तथा विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण करेंगी।

आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति 3 अगस्त को कटक स्थित जगद्गुरु कृपालु विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रहेगी।

दौरे के दूसरे दिन 4 अगस्त को राष्ट्रपति भुवनेश्वर से रेल मार्ग द्वारा बरहमपुर पहुंचेंगी। इसके बाद वे तप्तपानी स्थित मां कंधुनी देवी मंदिर तथा शिव मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगी और आरती में शामिल होंगी।

राष्ट्रपति का यह दौरा शिक्षा, आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके कार्यक्रमों के मद्देनज़र संबंधित प्रशासनिक और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

राष्ट्रपति के ओडिशा दौरे को लेकर राज्य में उत्साह का माहौल है। विभिन्न कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए स्थानीय प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : महिला जूडो में कांस्य पदक जीतने पर उन्नति शर्मा को प्रधानमंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिला 63 किलोग्राम जूडो स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय खिलाड़ी उन्नति शर्मा को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के दौरान उन्नति शर्मा की प्रतिबद्धता, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट प्रदर्शन ने देश का गौरव बढ़ाया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि जूडो में भारत को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उन्नति शर्मा भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश का नाम रोशन करती रहेंगी।प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, जूडो में भारत के लिए और अधिक गौरव! राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिला 63 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतने पर उन्नति शर्मा को हार्दिक बधाई। खेलों के दौरान उनकी प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। आशा है कि वे अपने सभी आगामी प्रयासों में उत्कृष्टता प्राप्त करती रहेंगी। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में उन्नति शर्मा के कांस्य पदक के साथ भारत के पदक अभियान को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। उनके प्रदर्शन पर खेल जगत सहित देशभर में खुशी का माहौल है।

किसने की दिपके की फंडिंग, आरटीआई एक्टिविस्ट ने पूछा, अमेरिका जाने का खर्च कहां से आया

सूरत (आरएनएस)। गुजरात के सूरत निवासी एक सूचना के अधिकार (आरटीआई) कार्यकर्ता ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके तथा उनके परिवार के वित्तीय मामलों की जांच की मांग करते हुए भारत निर्वाचन आयोग और आयकर विभाग को पत्र भेजा है। साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल द्वारा प्रदर्शनकारियों के लिए घोषित एक करोड़ रुपये के कानूनी सहायता कोष की भी जांच कराने की मांग की गई है।

आरटीआई कार्यकर्ता अमित तिवारी ने अपने पत्र में कहा है कि अभिजीत दिपके के पिता भगवानराव दिपके महाराष्ट्र सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारी रहे हैं। ऐसे में यह जांच की जानी चाहिए कि उन्होंने अपने पुत्र की विदेश में उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक धनराशि किस प्रकार जुटाई। उन्होंने संबंधित एजेंसियों से इस मामले की वित्तीय जांच कराने का अनुरोध किया है।

अमित तिवारी ने अपने पत्र में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की कानूनी स्थिति पर भी प्रश्न उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि कोई संस्था राजनीतिक दल के रूप में कार्य कर रही है, तो यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि क्या उसका पंजीकरण लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के अंतर्गत हुआ है या नहीं।

गुरुग्राम में पत्नी के तलाक मांगने पर फंदे से झूला पति, 7 वर्षीय बेटे ने बनाया वीडियो

गुरुग्राम(आरएनएस)। हरियाणा में गुरुग्राम शहर के सूरत नगर इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। वहां एक बहुराष्ट्रीय कंपनी (एमएनसी) में काम करने वाले 36 वर्षीय एसोसिएट ऑपरेटर संजीव यादव का शव उनके घर में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला है। पुलिस के अनुसार, यह कदम संजीव ने अपनी पत्नी द्वारा तलाक मांगे जाने के बाद उठाया। पुलिस अब मामले की जांच हत्या और आत्महत्या दोनों दृष्टिकोण से कर रही है।

घटना का सबसे दर्दनाक पहलू यह रहा कि जब संजीव फंदे पर लटक रहा था, तब उनके 7 वर्षीय मासूम बेटे ने मोबाइल फोन पर इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

उस समय उनकी पत्नी मनप्रीत कौर उन्हें नीचे उतारने के लिए चिल्ला रही थीं। घटना के वक्त घर में केवल पत्नी और बेटा ही मौजूद थे।

संजीव मूल रूप से अमृतसर के रहने वाले थे और वर्तमान में गुरुग्राम के सूरत नगर इलाके में परिवार के साथ रहते थे।

संजीव की शादी अंबाला निवासी मनप्रीत से 29 अप्रैल, 2018 को प्रेम विवाह के जरिए हुई थी।

दोनों की मुलाकात गुरुग्राम की डेन्सो कंपनी में काम करने के दौरान हुई थी।परिजनों के मुताबिक, पिछले काफी समय से दोनों के बीच तलाक और घरेलू विवाद को लेकर रोज लड़ाइयां हो रही थीं।संजीव के पिता रामसेवक यादव और बहन किरण ने इस मामले को संदिग्ध बताते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है।संजीव के पिता का आरोप है कि उनकी बहू ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनके बेटे की हत्या की साजिश रची है। बहन का कहना है कि संजीव का वजन 100 किलो से अधिक था, ऐसे में पंखे से लटकना संभव नहीं है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पत्नी को हिरासत में ले लिया है।

उप निरीक्षक महेंद्र सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ होगी।

नशा मुक्त युवा विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत बनेगा : प्रधानमंत्री मोदी

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ, 100 सप्ताह तक देशभर में चलेगा जनजागरूकता अभियान

नई दिल्ली,,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ करते हुए देश के युवाओं से नशे के खिलाफ राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन खड़ा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए युवाओं का शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, आत्मविश्वासी तथा नशे जैसी विनाशकारी प्रवृत्तियों से पूरी तरह मुक्त होना आवश्यक है।

कार्यक्रम में देशभर के 28 हजार से अधिक स्थानों से एक करोड़ से अधिक युवा, विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधि, संत-महात्मा, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक, 'माई भारत' के स्वयंसेवक तथा विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अभियान केवल किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं को हर प्रकार के नशे और मादक पदार्थों से दूर रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इस अभियान की शुरुआत पिछले वर्ष काशी से एक पायलट परियोजना के रूप में हुई थी। आज यह अभियान देशव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी घोषणा के अंतर्गत 125 से अधिक आध्यात्मिक संगठनों, अनेक सामाजिक संस्थाओं और गैर-सरकारी संगठनों ने मिलकर नशामुक्त भारत के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की है।प्रधानमंत्री ने बताया कि अभियान के अंतर्गत अगले 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार को देशभर में कला, संस्कृति, खेल, योग, ध्यान, आध्यात्म और सेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी 100 रविवार नशामुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम सिद्ध होंगे।युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के युवा स्टार्टअप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान और खेल जैसे क्षेत्रों में विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे समय में नशा उनकी ऊर्जा, एकाग्रता, प्रतिभा और भविष्य को नष्ट कर देता है। उन्होंने कहा कि जब कोई युवा नशे की गिरफ्त में आता है तो केवल उसका जीवन ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार के सपने बिखर जाते हैं और समाज तथा राष्ट्र की शक्ति भी कमजोर होती है।

गृह मंत्रालय का फर्जी अफसर बन करोड़ों की ठगी, निलंबित IAS के खाते में भी पहुंचा पैसा, ED ने जब्त किए 1.12 करोड़ रुपए

अगरतला,(आरएनएस)। सरकारी विभागों से मिलते-जुलते नाम वाली फर्जी कंपनियां बनाकर और खुद को गृह मंत्रालय का वरिष्ठ अधिकारी बताकर निवेशकों से करोड़ों रुपये ठगने वाले एक बड़े गिरोह पर प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने कड़ा शिकंजा कसा है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में त्रिपुरा कैडर के एक निलंबित आईएएस अधिकारी अभिषेक चंद्रा भी जांच के घेरे में आ गए हैं। ईडी के अगरतला उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए सस्पेंड आईएएस समेत अन्य आरोपियों के 1.12 करोड़ रुपये के बैंक बैलेंस को कुर्क कर लिया है।

सरकारी टेंडर का लालच देकर ऐसे रची गई साजिश

ईडी की जांच में सामने आया है कि इस पूरे फर्जीवाड़े का मुख्य आरोपी उत्पल कुमार चौधरी है। उसने खुद को गृह मंत्रालय का एक बड़ा अधिकारी बताते हुए फर्जी पहचान पत्रों का खुलेआम इस्तेमाल किया। उसने 'उच्च शिक्षा निदेशालय, त्रिपुरा' जैसी सरकारी संस्थाओं और सार्वजनिक उपक्रमों से मिलते-जुलते नाम वाली कई फर्जी कंपनियां बनाईं। इसके अलावा उसने 'चालताखली स्वामीजी सेवा संघ' नामक एक पंजीकृत ट्रस्ट पर भी धोखे से कब्जा कर लिया। इन्हीं फर्जी संस्थाओं की आड़ में उसने सरकारी टेंडर, मिड-डे मील सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट और रबर के व्यापार में भारी मुनाफे का लालच देकर कई कारोबारियों और निवेशकों से करोड़ों रुपये अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए। जांच एजेंसी के अनुसार, अपराध से कमाई गई इस रकम को उत्पल चौधरी और उसके सहयोगियों द्वारा संचालित शेल (फर्जी) कंपनियों के एक बड़े जाल के जरिए इधर-उधर किया गया। इस पैसे का एक बड़ा हिस्सा नकद निकाल लिया गया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में विधानसभा सत्र से पहले विधान भवन में सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए।

आजादी के 79 वर्ष पूर्ण होने पर एनसीसी ने आयोजित की 'साइक्लोथॉन-2026', फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

नई दिल्ली,,,(आरएनएस)। भारत की आजादी के 79 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) ने रविवार को नई दिल्ली में 'साइक्लोथॉन-2026' का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण, सतत जीवनशैली तथा राष्ट्र सेवा के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के माध्यम से देशभक्ति, अनुशासन, एकता और जिम्मेदार नागरिकता जैसे मूल्यों को भी बढ़ावा दिया गया।

साइक्लोथॉन को केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, विश्व विख्यात मुक्केबाज एम.सी. मैरी कॉम तथा पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

आजादी के 79 वर्ष पूरे होने के प्रतीक स्वरूप एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने 79 एनसीसी कैडेटों के दल के साथ 79 किलोमीटर की सांकेतिक साइकिल यात्रा में भाग लिया। यह यात्रा मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से प्रारंभ होकर राष्ट्रीय राजधानी के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुन: वहीं समाप्त हुई।

'स्वच्छ भारत, हरित भारत, फिट भारत' थीम पर आयोजित इस साइक्लोथॉन के माध्यम से 'टीबी मुक्त भारत', 'स्वच्छ भारत', 'एक पेड़ माँ के नाम' तथा 'हर घर तिरंगा' जैसे राष्ट्रीय अभियानों के प्रति एनसीसी की प्रतिबद्धता को दोहराया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों और आम नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन में कमी तथा स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, साइकिल को पर्यावरण-अनुकूल, टिकाऊ और प्रभावी परिवहन के साधन के रूप में अपनाने का संदेश भी दिया गया।

नीट यूजी 2026 काउंसलिंग का शेड्यूल जारी : 4 अगस्त से शुरू होगी प्रक्रिया, 8 सितंबर से नए सत्र की शुरुआत

नई दिल्ली,(आरएनएस)। मेडिकल की पढ़ाई का सपना देख रहे NEET-UG 2026 अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर है। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) ने एमबीबीएस और अन्य स्नातक मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए काउंसलिंग का विस्तृत शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके अनुसार ऑल इंडिया कोटा (AIQ) की पहले चरण की काउंसलिंग 4 अगस्त से शुरू होगी, जबकि 2026-27 का नया शैक्षणिक सत्र 8 सितंबर से आरंभ होगा।

एमसीसी के अनुसार, डीम्ड और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए पहले चरण की काउंसलिंग 4 अगस्त से 17 अगस्त तक चलेगी। इस राउंड में सीट आवंटित होने वाले अभ्यर्थियों को 22 अगस्त तक संबंधित संस्थान में रिपोर्ट कर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके बाद दूसरे चरण की काउंसलिंग 24 अगस्त से 2 सितंबर तक, तीसरे चरण की काउंसलिंग 10 सितंबर से 18 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। वहीं, स्ट्रे वैकेंसी राउंड 28 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चलेगा। इस राउंड के बाद प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

स्टेट कोटा की सीटों के लिए पहले चरण की काउंसलिंग 13 अगस्त से 22 अगस्त तक होगी। इस राउंड में चयनित अभ्यर्थियों को 28 अगस्त तक प्रवेश लेना होगा। दूसरा चरण 31 अगस्त से 8 सितंबर, तीसरा चरण 16 सितंबर से 26 सितंबर और स्ट्रे वैकेंसी राउंड 3 अक्टूबर से 5 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

एमसीसी ने स्पष्ट किया है कि 8 सितंबर से मेडिकल कॉलेजों में नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो जाएगा। हालांकि, रिक्त सीटों को भरने के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बाद के काउंसलिंग राउंड जारी रहेंगे। समय-सीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए शनिवार, रविवार और राजपत्रित अवकाश को भी कार्य दिवस माना जाएगा।

काउंसलिंग प्रक्रिया में हुए बड़े बदलाव

इस वर्ष एमसीसी ने काउंसलिंग प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और छात्र-अनुकूल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। 1. जिन अभ्यर्थियों को सीट आवंटित हो चुकी है और जिन्होंने 'अपग्रेडेशन (Upgrade)' का विकल्प चुना है, उन्हें अब केवल औपचारिकताएं पूरी करने के लिए दोबारा कॉलेज में फिजिकल रिपोर्टिंग नहीं करनी होगी। उनकी सीट काउंसलिंग सिस्टम में सुरक्षित रहेगी।2. उम्मीदवार अब निर्धारित नियमों और समय-सीमा के तहत एमसीसी पोर्टल के माध्यम से 'ऑनलाइन इस्तीफा दे सकेंगे। इसके लिए कॉलेज जाकर आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी।3. डीम्ड यूनिवर्सिटी में 'एनआरआई कोटे' के तहत आवेदन करने वाले अभ्यर्थी अब अपने आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन पोर्टल पर ही अपलोड कर सकेंगे।

चावल अनुसंधान एवं संरक्षण को बढ़ावा : राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण ने जारी किए 8.22 करोड़ रुपये

चावल की भारतीय किस्मों के व्यावसायिक उपयोग से प्राप्त लाभ अनुसंधान संस्थानों और राज्यों के साथ साझा किए गए

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने चावल की भारतीय किस्मों के व्यावसायिक उपयोग से प्राप्त लाभों के निष्पक्ष वितरण के तहत तीन अनुसंधान संस्थानों तथा 33 राज्य जैव विविधता बोर्डों एवं केंद्र शासित प्रदेश जैव विविधता परिषदों को कुल 8.22 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसे चावल के लिए अब तक के सबसे बड़े पहुंच एवं लाभ-साझाकरण (एबीएस) वितरणों में से एक माना जा रहा है।

यह राशि अंतरराष्ट्रीय बीज कंपनी मेसर्स पायनियर ओवरसीज कॉर्पोरेशन से प्राप्त हुई है, जिसने भारतीय चावल (ओराइज़ा सैटिवा) की किस्मों का उपयोग कर संकर बीज विकसित किए और उनका व्यावसायिक उपयोग किया। यह पहल देश के जैविक संसाधनों के उपयोग से प्राप्त लाभों को संरक्षकों और संबंधित संस्थानों के साथ साझा करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कुल राशि में से 2.47 करोड़ रुपये उन अनुसंधान संस्थानों को दिए गए हैं, जिन्होंने चावल की विभिन्न किस्मों का संरक्षण किया और उन्हें अनुसंधान एवं विकास के लिए उपलब्ध कराया। इनमें आईसीएआर-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद को सबसे अधिक 2.43 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जबकि गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उत्तराखंड को उसकी ओर से उपलब्ध कराई गई विशेष चावल की किस्म के लिए 3.26 लाख रुपये दिए गए।

शेष 5.75 करोड़ रुपये कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के एकीकृत कृषि सांख्यिकी पोर्टल में दर्ज धान उत्पादक क्षेत्र के आधार पर 33 राज्य जैव विविधता बोर्डों और केंद्र शासित प्रदेश जैव विविधता परिषदों के बीच वितरित किए गए। इस वितरण में उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक 73.26 लाख रुपये मिले, जबकि पश्चिम बंगाल को 64.95 लाख रुपये, तेलंगाना को 50.60 लाख रुपये, ओडिशा को 48.09 लाख रुपये और छत्तीसगढ़ को 45.91 लाख रुपये प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त पंजाब, बिहार, मध्य प्रदेश, असम और आंध्र प्रदेश भी शीर्ष दस लाभार्थी राज्यों में शामिल रहे।

एनबीए के अनुसार, अनुसंधान संस्थान इस राशि का उपयोग चावल के जर्मप्लाज्म संरक्षण, बीज संग्रहों के रखरखाव, अनुसंधान गतिविधियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुदृढ़ करने में करेंगे। वहीं राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं परिषदें इस धनराशि का उपयोग देशी फसल किस्मों के संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्स्थापन, पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण तथा स्थानीय किसानों और ज्ञानधारकों को प्रोत्साहन देने जैसी संरक्षण गतिविधियों में करेंगी।

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण ने बताया कि उसे अब तक केवल कृषि एवं बीज क्षेत्र से ही लगभग 83 करोड़ रुपये का एबीएस भुगतान प्राप्त हो चुका है, जबकि सभी क्षेत्रों को मिलाकर कुल लाभ-साझाकरण वितरण 162 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

प्राधिकरण के अनुसार यह पहल कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचा के लक्ष्य-13 के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य आनुवंशिक संसाधनों और उनसे जुड़े पारंपरिक ज्ञान के उपयोग से प्राप्त लाभों का निष्पक्ष एवं समान वितरण सुनिश्चित करना है।

लक्ष्मी योजना की सख्त पात्रता शर्तों में उलझीं दिल्ली की महिलाएं, आवेदन शुरू, जानिए कौन उठा सकेगा लाभ

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी लक्ष्मी योजना के लिए 1 अगस्त से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर माह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। हालांकि, योजना की पात्रता और अन्य शर्तें इतनी कड़ी रखी गई हैं कि बड़ी संख्या में महिलाओं के लिए इसका लाभ लेना आसान नहीं होगा।

योजना के अनुसार, आवेदन करने वाली महिला को अपने क्षेत्र के सांसद अथवा विधायक से सिफारिश-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा। बिना सिफारिश-पत्र के आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। दिल्ली में वर्तमान में 70 विधायक हैं, जिनमें 48 भारतीय जनता पार्टी तथा शेष आम आदमी पार्टी के विधायक हैं। वहीं, सातों सांसद भारतीय जनता पार्टी के हैं और वे भी सिफारिश-पत्र जारी कर सकते हैं।

योजना के अंतर्गत मिलने वाली 2,500 रुपये की मासिक सहायता सीधे पूरी की पूरी बैंक खाते में नहीं आएगी। इसमें 1,000 रुपये डिजिटल बटुआ मुद्रा के रूप में दिए जाएंगे, जबकि शेष 1,500 रुपये आवर्ती सावधि जमा के माध्यम से जमा किए जाएंगे।

डिजिटल बटुआ में मिलने वाली राशि का उपयोग शराब, तंबाकू तथा ऑनलाइन जुए जैसी गतिविधियों पर नहीं किया जा सकेगा। सरकार का उद्देश्य महिलाओं को आवश्यक खर्चों और बचत के लिए प्रोत्साहित करना है।

योजना का लाभ केवल ऐसे परिवार की 21 से 60 वर्ष आयु वर्ग की सबसे बड़ी महिला को मिलेगा, जिसकी कुल वार्षिक पारिवारिक आय 2.50 लाख रुपये से कम हो।

इसके अतिरिक्त लाभार्थी अथवा उसके पति या माता-पिता का कम से कम 10 वर्षों से दिल्ली का निवासी होना आवश्यक है।

पेरू में पर्यटकों को ले जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त, 2 पायलटों समेत 13 यात्रियों की मौत

लीमा,(आरएनएस) । पेरू में शनिवार को एक बड़ा विमान हादसा सामने आया है। वहां यूरोपीय पर्यटकों को प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल नाज्का लाइन्स की सैर कराने जा रहा एक सेसना ग्रैंड कैरावान विमान शहर के बाहर खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दर्दनाक हादसे में विमान में सवार दोनों पायलटों और 11 पर्यटकों सहित सभी 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। विमान ने इका शहर से उड़ान भरी थी और इसका संचालन पेरू की विमानन कंपनी एरोडियाना कर रही थी।परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, मृतकों में इटली के 7, स्पेन के 2 और जर्मनी के 2 नागरिक शामिल हैं, जिनकी उम्र 18 से 78 वर्ष के बीच थी। इसके अलावा विमान के मुख्य पायलट अमेरिको सालाजार और सह-पायलट इरेन्का गुआनिलो डेल कार्पियो ने भी हादसे में अपनी जान गंवा दी। बता दें की नाज्का लाइंस रेगिस्तान की सतह को खुरकरकर बनाई गई भू आकृतियों का समूह है। यहां हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। हादसे पर गहरा दुख जताते हुए राष्ट्रपति केइको फुजीमोरी ने कहा कि हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से बंद करने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, अंतिम निर्णय संबंधित मंत्रालयों से रिपोर्ट मिलने के बाद ही लिया जाएगा। फिलहाल प्रशासन और विमानन अधिकारियों द्वारा दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।इसी तरह विमान का संचालन करने वाले कंपनी एरोडियाना की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

अमेरिका के इडाहो में बर्गर रेस्टोरेंट में गोलीबारी की घटना, हमलावर समेत 3 की मौत

वाशिंगटन(आरएनएस) । अमेरिका के दक्षिणी इडाहो राज्य के ट्विन फॉल्स शहर में एक बेहद दर्दनाक गोलीबारी की घटना सामने आई है। वहां एक व्यस्त फास्ट-फूड रेस्टोरेंट में हुई अंधाधुंध गोलीबारी में हमलावर समेत 3 लोगों की मौत हो गई और 7 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह भीषण हमला नवनिर्मित इन-एन-आउट बर्गर रेस्टोरेंट में दोपहर करीब 2:00 बजे हुआ, जो महज एक हफ्ते पहले 24 जुलाई को ही खुला था।

ट्विन फॉल्स शहर के प्रवक्ता जोश पामर और पुलिस प्रमुख मैथ्यू हिक्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गोलीबारी की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। तलाशी अभियान के दौरान रेस्टोरेंट के पास ही संदिग्ध हमलावर का शव बरामद किया गया है।

पुलिस का मानना है कि अब समुदाय के लिए कोई खतरा नहीं है। हालांकि, हमलावर की पहचान और इस हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है।

घटना के वक्त रेस्टोरेंट एक व्यस्त शॉपिंग प्लाजा में होने के कारण वहां सैकड़ों लोग मौजूद थे।

एक चश्मदीद लेन कोहेन ने बताया कि उन्होंने एआर -स्टाइल राइफल लिए एक शख्स को आते देखा, जिसके बाद वहां मौजूद एक अन्य व्यक्ति ने आत्मरक्षा में अपनी पिस्टल से शूटर पर फायरिंग शुरू कर दी।

कोहेन ने बताया कि उन्होंने रेस्टोरेंट की वर्दी पहने एक कर्मचारी को अपनी एक महिला सहकर्मी को पार्किंग में घसीटते देखा, जिसके सीने में गोली लगी थी।

रेस्टोरेंट में मौजूद न्येली रोड्रिगेज ने बताया कि रसोई की तरफ से गोलियों की आवाज आते ही चारों तरफ चीख-पुकार मच गई।

150 दिन से गायब हैं ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई, मोसाद-CIA कर रही तलाश

नई दिल्ली (ए)। अमेरिका और इजरायल की तरफ से 28 फरवरी 2026 को किए गए हमले में ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई की मौत हो गई। इसके बाद मोजतबा खामेनेई को ईरान का सुप्रीम लीडर बनाया गया। तब से लेकर आज तक मोजतबा को कहीं भी सार्वजनिक तौर पर नहीं देखा गया है। ऐसे में रिपोर्ट्स सामने आ रहे हैं कि इजरायल और अमेरिकी खुफिया एजेंसियां, मोसाद और सीआईए, उनकी तलाश कर रही हैं। इजरायली मीडिया ने द टाइम्स ऑफ लंदन के इस हफ्ते की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि लगभग 150 दिनों से मोजतबा खामेनेई ने फोन को हाथ नहीं लगाया है। न ही लैपटॉप, रेडियो या ऐसी किसी भी चीज को जिससे डिजिटल सिग्नल निकलता हो। माना जा रहा है कि वह कहीं अंडरग्राउंड रह रहे हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि उनके पिता की मौत वाले एयरस्ट्राइक में लगे जख्मों की वजह से उनका चेहरा खराब हो गया है। उन्हें डर है कि कोई अमेरिकी जासूसी सैटेलाइट उन्हें पहचान लेगा।उनके पिता का पता लगाने के लिए, इजरायल और अमेरिका ने लगभग हर साइबर ट्रिक का इस्तेमाल किया। सुप्रीम लीडर के बॉडीगार्ड और करीबी लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली गाड़ियों की पहचान करने के लिए तेहरान में ट्रैफिक कैमरों को हैक कर

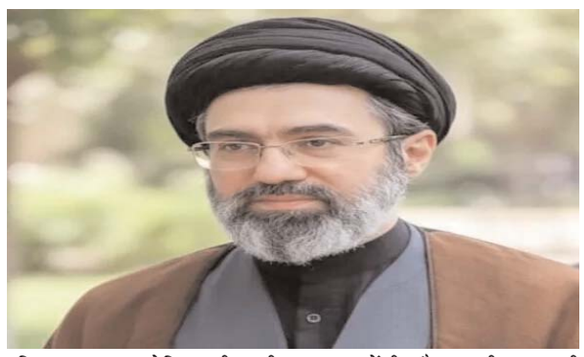

लिया गया था।अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी और उसकी इजरायली समकक्ष यूनिट 8200 के कोऑर्डिनेशन से बनी इस तकनीक से पता चला था कि उस दिन अली खामेनेई और उनके आस-पास के वरिष्ठ सैन्य और खुफिया अधिकारी ठीक कहां थे और वे सभी मारे गए। मोजतबा खामेनेई को ढूंढने का तरीका अब सिग्नल इंटरसेप्शन या तकनीकी निगरानी नहीं है, बल्कि ह्यूमन इंटेलिजेंस है। ह्यूमन इंटेलिजेंस खुफिया जानकारी जुटाने का पुराना, धीमा और खतरनाक तरीका है। इसके लिए लोगों को अपनी आंखों से चीजें देखनी होती हैं, जानकारी को आगे पहुंचाना होता है और जिंदा भी रहना होता है।

इंटेलिजेंस कम्युनिटी में कुछ लोगों का मानना है कि वह शायद पहले ही मर चुका है और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स अमेरिकियों के खिलाफ युद्ध को सही साबित करने के लिए सुप्रीम लीडर के जिंदा होने का नाटक कर रही है।अगर मोसाद और सीआईए फिर भी उनकी लोकेशन पता करने में कामयाब हो जाते हैं, तो यह मामला राजनीतिक क्षेत्र में चला जाएगा।

येरूसलम और वाशिंगटन में सुरक्षा प्रमुख को यह तय करना होगा कि इस जानकारी का क्या करना है। उस समय, सवाल ऑपरेशनल नहीं, बल्कि रणनीतिक होगा।अमेरिका के एक पुराने सीनियर इंटेलिजेंस अधिकारी ने इस मुश्किल के बारे में कहा, मुझे लगता है कि हमने अभी के लिए शायद काफी ईरानी नेताओं को मार दिया है, खासतौर से जब तक कि इस बात का पूरा भरोसा न हो कि मौजूदा नेता की जगह कोई ऐसा आएगा जो ईरान के लोकतांत्रिक भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हो।

इंडोनेशिया में यात्री जहाज में आग लगने से 5 की मौत, 41 अन्य लोग लापता

जकार्ता (आरएनएस) । इंडोनेशिया के मदुरा द्वीप के पास रविवार सुबह एक यात्री फेरी (छोटा जहाज) में अचानक भीषण आग लग गई। इसमें 5 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 41 अन्य यात्री अब भी लापता हैं। लापता लोगों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। यह जहाज पूर्वी जावा प्रांत के सुराबाया से दक्षिणी सुलावेसी के मकासर जा रहा था, तभी जावा के मदुरा द्वीप के पास इसमें आग लग गई। इंडोनेशिया की खोज एवं बचाव एजेंसी के अनुसार, आग लगने के समय जहाज में 271 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। अब तक 225 लोगों को बचा लिया गया था, जबकि लापता लोगों की तलाश जारी है। पानी में डूबे या तैर रहे अन्य लोगों की तलाश के लिए कई खोजी जहाजों को तैनात किया गया है।इसी तरह अधिकारी आस-पास के जलक्षेत्र में खोजबीन कर जहाज पर सवार लोगों का पता लगाने में जुटे हैं। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि जहाज पर मौजूद यात्रियों के विवरण (पैसेंजर मेनिफेस्ट) में कमियां होने के कारण बचाव कार्य और लापता लोगों की सही संख्या का पता लगाने में मुश्किलें आ रही हैं। यह फेरी पूर्वी जावा प्रांत के सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकासर जा रही थी।

ट्रंप बोले- ईरान पर बड़ा हमला फिलहाल टाला, समझौते की रूपरेखा पर सहमति बन चुकी

वाशिंगटन (ए)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ईरान और पश्चिम एशिया के अन्य देशों के आग्रह पर ईरान के खिलाफ प्रस्तावित बड़े हमलों को फिलहाल के लिए रद्द करने पर सहमति जताई है। उन्होंने ये भी दावा किया कि ईरान के साथ समझौते के मापदंडों पर सहमति बन गई है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल और पूर्ण रूप से खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को समाप्त करना शामिल होगा।

ट्रंप ने कहा, अमेरिका ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। हमारी सैन्य ताकत और क्षमता का स्तर ऐसा है जो दूसरे विश्व युद्ध के बाद से कभी नहीं देखा गया। इसके बावजूद ईरान और मध्य-पूर्व के दूसरे देशों ने हमसे हमले को रोकने के

लिए कहा है, क्योंकि एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बन गई है। इसमें होर्मुज को तुरंत और पूरी तरह से खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल होगा।

ट्रंप ने आगे कहा, इस अनुरोध को मानते हुए मैंने दुनिया के भविष्य के फायदे और एक सफल व समृद्ध ईरान के अस्तित्व के लिए हमले को रद्द करने का फैसला किया है, बशर्ते कि जल्द ही कोई समझौता हो सके। इजरायल भी इस प्रतिबद्धता में मेरे साथ है। सभी लोग काम पर लग जाएं और इसे पूरा करें। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद! राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप।

ट्रंप ने कैंप डेविड में बोलते हुए ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई का संकेत दिया था। उन्होंने कहा, हम उन पर कड़ा प्रहार करेंगे और आखिरकार एक दिन वे कहेंगे, हम इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकते।

इसके बाद अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अमेरिका इसी हफ्ते ईरान पर बड़ा हमला कर सकता है, जिनमें ईरान के ऊर्जा, तेल और बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया जा सकता है।

ईरान पर संभावित बड़े हमले की खबरों के बीच सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बात की है।

फीचर

पोल्का डॉट प्रिंटेड ड्रेस में निताशी गोयल का दिलकश अंदाज; तस्वीरें देख फैंस बोले- फूल कुमारी मैडम

फिल्म लापता लेडीज की भोली-भाली फूल कुमारी तो याद होगी? यह भूमिका अभिनेत्री निताशी गोयल ने निभाई। मूवी में सादगी वाले अंदाज में नजर आईं एक्ट्रेस फिलहाल अपने स्टाइलिश फोटोशूट को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसमें उनका बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है।

निताशी गोयल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर किए हैं। वे ब्राउन कलर की मिनी ड्रेस पहनी दिख रही हैं। उन्होंने अपना लुक सिंपल रखा है, इसके बावजूद बेहद आकर्षक लग रही हैं।

निताशी गोयल की तस्वीरें देख फैंस उनके लुक की तारीफें कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, फूल मैडम। एक अन्य यूजर ने लिखा, गॉर्जियस। एक यूजर ने लिखा, इस प्यारी लड़की की शानदार तस्वीरों के साथ जुलाई ने इस अंदाज में विदा ली है।

लापता लेडीज में अपनी भूमिका के लिए निताशी को खूब तारीफें मिली थीं। उन्हें इसके लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का आईफा पुरस्कार भी मिला था।

निताशी गोयल उत्तर प्रदेश के नोएडा से ताल्लुक रखती हैं। उनका जन्म 12 जून 2007 को नोएडा में हुआ। निताशी ने अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। वे कई फैशन शो और विज्ञापनों में नजर आईं।

'मॉम' का बन रहा सीक्वल, एक्ट्रेस खुशी कपूर निभाएगी लीड रोल

महान अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम' 2017 में आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब करीब 9 साल बाद इसका सीक्वल बनने जा रहा है, जिसको लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। खुशी कपूर अब फिल्म 'मॉम 2' में लीड रोल निभाने जा रही हैं। यह 2017 की हिट फिल्म मॉम का सीक्वल है और इसे नवंबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। इस फिल्म को उनके पिता बोनी कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसकी शूटिंग नोएडा और ग्रीस में हुई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मॉम 2' का कनेक्शन श्रीदेवी के उस यादगार किरदार से जुड़ा होगा, जिसने उन्हें खास पहचान दिलाई थी। 'मॉम' श्रीदेवी की आखिरी फिल्म थी, ऐसे में यह प्रोजेक्ट खुशी कपूर के लिए काफी इमोशनल और खास माना जा रहा है, क्योंकि वह अपनी मां की विरासत को आगे बढ़ाती नजर आएंगी।खुशी कपूर ने 'द आर्चीज' से डेब्यू किया था, लेकिन 'नादानियां' और 'लवयापा' जैसे प्रोजेक्ट्स को खास रिस्पॉन्स नहीं मिला। ऐसे में 'मॉम 2' को उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के शुरुआती फुटेज देखने वाले एक सूत्र ने खुशी की एक्टिंग में काफी सुधार बताया है। उन्होंने कहा कि खुशी इस बार ज्यादा इमोशनल डेप्थ के साथ नजर आ रही हैं और कहीं-कहीं श्रीदेवी की झलक भी दिखती है।

क्या आंखों के लिए जरूरी है ओमेगा-3? जानिए इससे मिलने वाले 5 फायदे

ओमेगा-3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जो आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह न केवल आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने में मदद करता है, बल्कि आंखों की सूजन और अन्य समस्याओं से भी राहत दिलाता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे ओमेगा-3 का सेवन आपकी आंखों को स्वस्थ रख सकता है और किन खाद्य पदार्थों से आप इसे आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

आंखों की सूजन को कम करने में सहायक

ओमेगा-3 में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो आंखों की सूजन को कम करने में मदद करते हैं।अगर आपकी आंखें सूजी रहती हैं या उनमें जलन होती है तो ओमेगा-3 का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। यह आंखों की रक्त वाहिकाओं को मजबूत बनाता है और सूजन को कम करता है। इसके अलावा यह आंखों की नमी बनाए रखने में भी मदद करता है, जिससे आपकी आंखें तरोताजा महसूस होती हैं।

दृष्टि सुधारने में प्रभावी

ओमेगा-3 आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह आंखों के अंदर पोषक तत्व पहुंचाने में सहायक होता है, जिससे दृष्टि सुधारने में मदद मिलती है।नियमित रूप से ओमेगा-3 का सेवन करने से उम्र बढ़ने के साथ होने वाली दृष्टि समस्याओं का खतरा भी कम हो सकता है।इसके अलावा यह आंखों की संवेदनशीलता को बढ़ाता है और उन्हें स्वस्थ भी बनाए रखता है।

आंखों की थकान दूर करने में कारगर

लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों में थकान हो सकती है, जिसे ओमेगा-3 दूर कर सकता है। यह आंखों की मांसपेशियों को आराम देता है और उन्हें तरोताजा बनाता है।अगर आप दिनभर स्क्रीन पर काम करते हैं तो अपने आहार में ओमेगा-3 युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें, जैसे कि सब्जा के बीज, अलसी के बीज या अखरोट।इससे आपकी आंखें थकी हुई महसूस नहीं होंगी और आप अधिक आराम महसूस करेंगे।

आंखों के सूखापन को दूर करें

अगर आपकी आंखें अक्सर सूखी रहती हैं तो ओमेगा-3 इसका समाधान हो सकता है। यह आंखों की नमी बनाए रखने में मदद करता है और सूजन को कम करता है।इसके अलावा यह आंखों की संवेदनशीलता को बढ़ाता है, जिससे वे अधिक स्वस्थ और तरोताजा महसूस होती हैं।आप अपने आहार में ओमेगा-3 युक्त खाद्य पदार्थ शामिल कर सकते हैं, जैसे कि सब्जा के बीज, अलसी के बीज या अखरोट।

रात को अच्छी नींद में मददगार

अच्छी नींद के लिए भी ओमेगा-3 जरूरी माना जाता है, क्योंकि यह दिमाग तक पहुंचकर तंत्रिका तंत्र को शांत करता है। इससे नींद अच्छी आती है और आंखें आराम महसूस करती हैं।अगर आप रात को ठीक से सो नहीं पा रहे हैं तो अपने आहार में ओमेगा-3 युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें. जैसे कि सब्जा के बीज, अलसी के बीज या अखरोट। इससे आपकी नींद बेहतर होगी और आंखें तरोताजा महसूस करेंगी।

बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, बढ़ेगी उनकी ताकत

बच्चों की हड्डियों का विकास उनके समग्र स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। मजबूत हड्डियों के लिए कैल्शियम और विटामिन-डी जरूरी पोषक तत्व माने जाते हैं। इसके साथ ही नियमित व्यायाम भी जरूरी है। इसके अलावा खान-पान और सूरज की रोशनी भी हड्डियों के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी तरीकों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप अपने बच्चों की हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं।

कैल्शियम युक्त आहार दें

कैल्शियम हड्डियों के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। बच्चों को दूध, दही और पनीर जैसे डेयरी उत्पादों के साथ हरी सब्जियां, बादाम और संतरे का रस देना चाहिए।इनसे बच्चों को कैल्शियम और अन्य जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। इसके अलावा पालक और ब्रोकली जैसी हरी सब्जियां भी कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं।इनसे बच्चों को मजबूत हड्डियां मिल सकती हैं और उनका समग्र स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

विटामिन-डी की अहमियत समझें

विटामिन-डी कैल्शियम को शरीर द्वारा बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करता है। इसके लिए बच्चों को सुबह की धूप में कुछ मिनट बैठाना चाहिए, ताकि उनका शरीर खुद ही विटामिन-डी बना सके।

इसके अलावा दूध जैसे खाद्य पदार्थ भी विटामिन-डी के अच्छे स्रोत हैं। इनसे बच्चों की हड्डियां मजबूत होती हैं और उनका समग्र स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। धूप में घूमने से न केवल विटामिन-डी मिलता है, बल्कि यह मन को भी शांत रखता है।

नियमित व्यायाम कराएं

बच्चे जितना ज्यादा सक्रिय रहेंगे, उनकी हड्डियां उतनी ही मजबूत होंगी। उन्हें रोजाना दौड़ना, कूदना, साइकिल चलाना या कोई खेल खेलने के लिए प्रेरित करें। इससे उनकी मांसपेशियां भी मजबूत होंगी और हड्डियों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा योग और स्ट्रेचिंग जैसे हल्के व्यायाम भी हड्डियों को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। बच्चों को फिट रखने के लिए इन सभी गतिविधियों को उनकी दिनचर्या में शामिल करना जरूरी है।

धूप में समय बिताएं

सूरज की रोशनी से मिलने वाला प्राकृतिक विटामिन-डी हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए, बच्चों को रोजाना थोड़ी देर धूप में बैठने दें, खासकर सुबह की धूप बहुत फायदेमंद होती है।

इससे न केवल विटामिन-डी मिलता है, बल्कि यह मन को भी शांत रखता है। बच्चों को पार्क या बालकनी में खेलने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि वे प्राकृतिक रूप से विटामिन-डी प्राप्त कर सकें और स्वस्थ रहें।

अच्छी नींद लें

नींद हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है, खासकर बच्चों के लिए। अच्छी नींद लेने से शरीर खुद को ठीक कर पाता है और हड्डियों का विकास भी बेहतर होता है। बच्चों को सोने का नियमित समय तय करें, ताकि वे अच्छी तरह आराम कर सकें। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपने बच्चों की हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं और उनका समग्र स्वास्थ्य भी बेहतर बना सकते हैं।

कुलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिजनों से उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने की बात

रायपुर, (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के दीपक रात्रे एवं भूपेन्द्र की निर्मम हत्या की सूचना मिलते ही उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान तत्काल दोनों दिवंगतों के परिजनों से दूरभाष पर चर्चा की। उन्होंने शोकाकुल परिवारों को ढांढस बंधाते हुए इस कठिन समय में राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। विजय शर्मा ने अधिकारियों को भी आवश्यक समन्वय एवं हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। घटना ने पूरे प्रदेश को गहरे शोक में डाल दिया है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि निर्दोष नागरिकों की हत्या मानवता के विरुद्ध जघन्य अपराध है। आतंकवाद के ऐसे कायराना कृत्य किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि देश आतंकवाद के खिलाफपूरी मजबूती के साथ खड़ा है और इस नृशंस हमले में शामिल आतंकियों को उनके अपराध की कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि आतंकियों को उनके कृत्य का मुंहतोड़ जवाब मिलेगा और इस हमले का बदला अवश्य लिया जाएगा।

विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा दोनों पीड़ित परिवारों को 20-20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह संवेदनशील निर्णय शोक संतप्त परिवारों को कठिन समय में संबल प्रदान करेगा तथा राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। वे पीड़ित परिवारों के साथ रहकर उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने तथा स्थानीय प्रशासन के साथ आवश्यक समन्वय सुनिश्चित कर रहे हैं, ताकि प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अटल प्रतिमा विवाद पर अजय चंद्राकर बोले- पूरे प्रदेश में हो प्रतिमाओं की जांच, दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई

रायपुर, (आरएनएस)। कटघोरा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कांस्य की बजाए सीमेंट प्रतिमा लगाए जाने का मामला तुल पकड़ता जा रहा है. मामले में भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि मामले में एक सब इंजीनियर को तो निलंबित किया गया है, लेकिन यह गम्भीर मामला है. पूरे प्रदेश भर अटल प्रतिमा का परीक्षण किया जाना चाहिए. इसमें सरकार को सख्त एक्शन लेना चाहिए।

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने पत्रकारों से चर्चा में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज की ओर से लगाए गए बस्तर पंडुम में भ्रष्टाचार के आरोप पर पलटवार किया. उन्होंने कहा कि किसी कार्यक्रम में कोई राशि खर्च हुई तो ऑडिट होगी. यह आयोजन कांग्रेस के राजीव मितान क्लब की तरह फर्जी नहीं है. कांग्रेस व्यर्थ का प्रलाप करने में लगी है।

स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर आज से शुरू किए जा रहे राज्यव्यापी आंदोलन पर अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर हमला किया है. उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि भूपेश बघेल के पास कांग्रेसियों को जाना चाहिए। पूछना स्मार्ट लगाने का काम उनके कार्यालय में शुरू हुआ या नहीं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में दीपक बैज और संगठन के पुनर्गठन पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास न तो एक्टिव मुद्दें हैं, और पुनर्गठन के लोग बचे हैं. कांग्रेस अंदरूनी लड़ाई से जूझ रही है.छत्तीसगढ़ कांग्रेस में दीपक बैज और संगठन के पुनर्गठन पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने तंज कसा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास न तो एक्टिव मुद्दें हैं, और पुनर्गठन के लोग बचे हैं. कांग्रेस अंदरूनी लड़ाई से जूझ रही है।

छत्तीसगढ़ में फिलहाल आफत की बारिश से राहत नहीं, हालात बेहद खराब

रायपुर,(आरएनएस)। बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन की वजह से मानसून लगातार मजबूत बना हुआ है, इसका असर बीते कई दिनों से छत्तीसगढ़ में देखने को मिल रहा है। प्रदेश के कई हिस्सों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से आम जनजीवन पटरी से उतर गया है. मौसम विभाग का कहना है कि प्रभावित क्षेत्रों में फिलहाल बारिश का दौर जारी रहने वाला है.

आज कैसा रहेगा मौसम ?

छत्तीसगढ़ के मौसम आज तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया. अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है।

इन जिलों में रेड अलर्ट जारी

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों के लिए तेज बारिश, आंधी-तूफान और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने बालोद और कांकेर जिलों के लिए भारी से अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि रायपुर, दुर्ग और दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ अन्य जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

बोल बम के जयकारों के बीच शिवभक्ति का अद्भुत संगम

कवर्धा, (आरएनएस)। पवित्र श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ के प्रति अटूट आस्था और श्रद्धा का अनुपम दृश्य अमरकंटक से भोरमदेव धाम तक निकलने वाली कांवड़ यात्रा में देखने को मिल रहा है। बोलबम और हर-हर महादेव के जयकारों से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा है। हजारों शिवभक्त कठिन पदयात्रा कर पवित्र जल लेकर भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सेवा को प्राथमिकता देते हुए उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की पहल पर अमरकंटक स्थित मृत्यंजय आश्रम में कांवड़ यात्रियों के लिए नि:शुल्क भोजन प्रसादी, विश्राम एवं आवश्यक सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की गई है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में पहुंच रहे शिवभक्तों का आत्मीय स्वागत किया जा रहा है, जिससे उनकी यात्रा अधिक सुगम, सुरक्षित और सुखद बन रही है।अब तक कबीरधाम जिले की 09 बोलबम समितियों सहित लगभग 1500 श्रद्धालुओं ने मृत्यंजय आश्रम में नि:शुल्क भोजन प्रसादी ग्रहण कर इस सेवा का लाभ लिया है।

किये गये वृक्षारोपण व रोपित पौधे को नुकसान पहुंचाने पर लगाया गया अर्थदण्ड

कोरबा(आरएनएस)। जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम केारबा द्वारा चलाये जा रहे सघन वृक्षारोपण अभियान के तहत रोपित किये गये पौधे को नुकसान पहुंचाने पर संबंधित व्यक्ति को 1500 रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया, तो वहीं दूसरी ओर '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान अंतर्गत कोरबा के ब्लू बर्ड स्कूल से सुभाष चैक तक के मुख्य मार्ग पर वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने अपनी सहभागिता देते हुये पौधों का रोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण व हरित कोरबा के संकल्प को गति दी।

निहारिका टाकिज के सामने किये गये वृक्षारोपण व रोपित किये गये पौधे को नुकसान पहुंचाने पर पुलिस व नगर निगम की संयुक्त टीम के द्वारा 1500 रूपये का अर्थदण्ड संबंधित पर लगाया गया। यहाँ उल्लेखनीय है कि अभी 02 दिनों पूर्व निहारिका टाकिज मुख्य मार्ग पर जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा के द्वारा वृक्षारोपण किया गया था, निहारिका टाकिज के सामने रोपित पौधे को नुकसान पहुंचाया गया, जिसे शासकीय सम्पत्ति व वृक्षारोपण को क्षति पहुंचाये जाने को गंभीरता से लेते हुये पुलिस प्रशासन व निगम की टीम ने भरतलाल नामक व्यक्ति पर 1500 रूपये का अर्थदण्ड आरोपित किया तथा कड़ी हिदायत दी कि दोबारा इसकी पुनर्रावृत्ति न करें अन्यथा कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

वृक्षारोपण लगातार जारी - कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वन विभाग के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित कोरबा के संकल्प के साथ विगत 18 जुलाई से '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण का कार्य संचालित किया जा रहा है, जो लगातार जारी है।

तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को मारी टक्कर, पिता और मासूम बेटे की दर्दनाक मौत

कोरबा (आरएनएस)। जिले के राजगामार क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में पिता और उनके मासूम बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कूटी सवार किसी काम से जा रहे थे, तभी तेज गति से आ रही कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। फ्लिहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।घटना के बाद पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है कि हादसे के समय वे कार में सवार थे या नहीं और घटना में उनकी क्या भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है।

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित लोक भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में प्रारंभ हुए 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए।

महंगी बिजली, स्मार्ट मीटर और 400 यूनिट योजना को लेकर कांग्रेस का सरकार पर हमला

कोरबा,(ए.)। प्रदेश में बढ़ी हुई बिजली दरों, स्मार्ट मीटर और 400 यूनिट तक आधे बिजली बिल की योजना को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय, टीपी नगर में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने सरकार से बिजली दरों में की गई हालिया वृद्धि वापस लेने, स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया तत्काल रोकने तथा कांग्रेस सरकार की 400 यूनिट तक आधे बिजली बिल की योजना को पुन: लागू करने की मांग की। प्रेस वार्ता में रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया, सपना चौहान, नगर पालिका निगम के नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि, प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादन में अग्रणी राज्यों में शामिल है, इसके बावजूद प्रदेश की जनता को महंगी बिजली खरीदनी पड़ रही है। उनका आरोप था कि लगातार बिजली दरों में वृद्धि और स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया से गरीब, मध्यमवर्गीय परिवार, किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी और कर्मचारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेशभर से स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बिजली बिलों में अप्रत्याशित वृद्धि की शिकायतें मिल रही हैं। कांग्रेस ने मांग की कि स्मार्ट मीटरों की स्वतंत्र तकनीकी एजेंसी से सार्वजनिक जांच कराई जाए तथा रिपोर्ट आने तक इनके स्थापना कार्य पर रोक लगाई जाए।

खेल समाचार

श्रीलंका टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका, जसप्रीत बुमराह अचानक हुए बाहर

नई दिल्ली (ए.)। श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के आगाज से ठीक पहले भारतीय क्रिकेट टीम के खेमे से एक बेहद निराशाजनक खबर सामने आई है। टीम इंडिया के सबसे घातक हथियार और तेज गेंदबाजी आक्रमण की जान माने जाने वाले एक स्टार खिलाड़ी को इस अहम सीरीज से बाहर होना पड़ा है। पहले से ही चोटों के भंवर में फंसी भारतीय टीम के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नहीं है, जिसने कप्तान शुभमन गिल की रातों की नींद उड़ा दी है।

इस घातक गेंदबाज की घुटने की चोट ने बढ़ाई टेंशन

दरअसल, आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 'यॉर्कर किंग' जसप्रीत बुमराह खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की मेडिकल टीम ने बुमराह की मौजूदा फिटनेस को देखते हुए उन्हें पूरी तरह से आराम देने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इंग्लैंड दौरे पर कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे मैच में फील्डिंग के दौरान बुमराह के बाएं घुटने में चोट लग गई थी। इस चोट के कारण वह तीसरे वनडे से भी बाहर रहे थे। अब टी20 वर्ल्ड कप के दौरान लगी इस पुरानी चोट से वह पूरी तरह

उबर नहीं पाए हैं और बोर्ड उनकी वापसी में कोई जल्दबाजी कर रिस्क नहीं लेना चाहता।

बेंगलुरु में हुआ फिटनेस टेस्ट, इंजेक्शन लेने की आई नौबत

बुमराह की चोट को लेकर मेडिकल टीम बेहद सतर्क है। उनके लंबे करियर को सुरक्षित रखने के लिए विशेष उपचार की योजना बनाई गई है, जिसके तहत बुमराह को अपने घुटने में इंजेक्शन तक लेना पड़ा है। हाल ही में बेंगलुरु स्थित BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उनका फिटनेस टेस्ट भी करवाया गया। मेडिकल टीम का स्पष्ट मानना है कि अगर वह अभी गेंदबाजी शुरू करते हैं, तो उनकी चोट दोबारा उभर सकती है और स्थिति ज्यादा गंभीर हो सकती है। ऐसे में उन्हें लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ सकता है, इसलिए उन्हें इस दौरे से बाहर रखने का ही सुरक्षित विकल्प चुना गया।

अस्पताल बनी टीम इंडिया, कप्तान गिल ने भी जताई चिंता

जसप्रीत बुमराह के बाहर होने से भारतीय टीम का मैनेजमेंट भारी दबाव में आ गया है, क्योंकि टीम पहले ही कई खिलाड़ियों की चोट से जूझ रही है। हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और आकाश दीप जैसे अहम खिलाड़ी अपनी-अपनी चोटों के चलते पहले ही बाहर चल रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज गंवाने के बाद कप्तान शुभमन गिल ने भी खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने पर गहरी चिंता व्यक्त की थी। गिल ने साफ कहा था कि हर मैच के बाद किसी न किसी खिलाड़ी का अनफिट होना टीम के संतुलन और भविष्य के लिए एक बहुत बड़ा चिंता का विषय है।

ग्लासगो में भारतीय बॉक्सरों की चमक, अंकुश-सचिन स्वर्ण विजेता, लवलीना को रजत

ग्लासगो, (ए.)। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। शनिवार को अंकुश पंघाल और सचिन सिवाच ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के मुक्केबाजी अभियान को नई ऊंचाई दी, जबकि ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहाईं ने महिला 75 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। इन शानदार प्रदर्शनों की बदौलत भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया।पुरुषों के 80 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में अंकुश पंघाल ने मेजबान इंग्लैंड के शिट्टू डिमेजी को 4-1 के स्प्लिट फैसले से हराकर स्वर्ण पदक जीता। पहले राउंड में कुछ जजों के स्कोरकार्ड पर पिछड़ने के बावजूद अंकुश ने दूसरे और तीसरे राउंड में शानदार वापसी की। आक्रामक पंच, सटीक काउंटर अटैक और बेहतरीन रिंग कंट्रोल के दम पर उन्होंने मुकाबले का रुख अपने पक्ष में कर लिया।

कॉमनवेल्थ गेम्सः सोमन राणा-शुभम जुयाल का कमाल, शॉट पुट में भारत ने 'गोल्ड' के साथ 'सिल्वर' भी जीता

ग्लासगो(ए.)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शनिवार को पैरा एथलेटिक्स में भारत ने इतिहास रच दिया। सोमन राणा ने पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। वहीं, शुभम जुयाल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया।कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में यह भारत का पहला गोल्ड मेडल था और साथ ही इस इवेंट में देश की पहली 'डबल पोडियम' फिनिश भी थी। सोमन राणा ने अपने दूसरे प्रयास में 13.40 मीटर का विनिंग थ्रो किया, जिसे प्रतियोगिता के बाकी समय में कोई भी प्रतिद्वंद्वी पार नहीं कर सका। वहीं, शुभम ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 13.28 मीटर का थ्रो करते हुए सिल्वर मेडल की स्थिति हासिल की। सेड्रिक इड्रिस लेकेजो अजमदजी ने 12.57 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कैमरून के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता।

सोमन ने 13.38 मीटर के शुरुआती थ्रो के साथ प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत की। इसके बाद अपने दूसरे प्रयास में गोल्ड मेडल दिलाने वाले 13.40 मीटर के थ्रो तक सुधार किया। उनका तीसरा प्रयास फाउल रहा, जबकि शेष थ्रो क्रमशः 13.14 मीटर, 13.17 मीटर और 13.11 मीटर के थे। हालांकि, वे अपने दूसरे राउंड के प्रयास में सुधार नहीं कर सके, लेकिन पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए यह काफी था।

दूसरी ओर, शुभम ने फाइनल के दौरान बेहतरीन निरंतरता दिखाई। उन्होंने 13.08 मीटर से शुरुआत की, उसके बाद 12.42 मीटर का थ्रो किया, और फिर तीसरे राउंड में सुधार करते हुए 13.27 मीटर तक पहुंचे। इसके बाद उन्होंने 13.16 मीटर और 12.88 मीटर का थ्रो किया, और अंत में अपने आखिरी प्रयास में 13.28 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके सिल्वर मेडल पक्का किया।सोमन राणा के लिए यह गोल्ड मेडल एक और बड़ी कामयाबी थी, जिन्होंने 2006 में जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना में सेवा के दौरान माइन ब्लास्ट में घायल होने के बाद यह मुकाम हासिल किया। रिहैबिलिटेशन और पैरा-एथलेटिक्स शुरू करने के बाद, दो बार पैरालंपिक में हिस्सा ले चुके सोमन भारत के बेहतरीन एफ57 शॉट पुटर्स में से एक बन गए हैं। सोमन ने कॉमनवेल्थ गेम्स में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीतने से पहले एशियन पैरा गेम्स, वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप और नेशनल प्रतियोगिताओं में भी मेडल जीते हैं।शुभम के लिए सिल्वर मेडल एक शानदार सफर का सुखद अंत था। रुड़की में जन्मे इस एथलीट ने आर्मी ऑफिसर बनने का सपना देखा था, लेकिन साल 2022 में मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक पैर गंवाने के बाद यह सपना अधूरा रह गया।

ग्लासगो में फीके पड़े पाकिस्तानी जैवलिन थ्रोअर अरशद नदीम, मेंटर्स ने लापरवाही और खराब तैयारी को ठहराया दोषी

इस्लामाबाद, (ए)। पाकिस्तान के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम के कॉमनवेल्थ खेल 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उनके दो प्रमुख पूर्व मार्गदर्शकों ने प्रशिक्षण

की कमी और लापरवाही को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। दोनों ने नदीम से दोबारा शीर्ष स्तर पर लौटने के लिए कड़ी मेहनत और नियमित प्रशिक्षण अपनाने की अपील की है।पेरिस ओलंपिक 2024 में 92.97 मीटर का ऐतिहासिक थ्रो कर स्वर्ण पदक जीतने वाले अरशद ग्लासगो में अपनी लय नहीं पकड़ सके। उन्होंने 12 खिलाड़ियों की प्रतियोगिता में 77.41 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ नौवां स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में भी उनका प्रदर्शन साधारण रहा और वे 78.63 मीटर के थ्रो के साथ मुश्किल से फाइनल में पहुंचे थे।इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने 89.75 मीटर के शानदार थ्रो के साथ जीता, जबकि भारत के नीरज चोपड़ा ने रजत और यश वीर सिंह ने कांस्य पदक अपने नाम किया। अरशद के शुरुआती करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पाकिस्तान एथलेटिक्स महासंघ के पूर्व अध्यक्ष अकरम साही ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण जीतने के बाद कुछ लोगों ने नदीम को उनसे दूर कर दिया।

आठ मैचों के एक्सपोजर टूर के लिए बेंगलुरु पहुंची मलेशिया अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम

नई दिल्ली (ए.)। मलेशिया की अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम आठ मैचों के एक्सपोजर टूर के लिए बेंगलुरु पहुंच गई है। यहां वे साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के खिलाफ पांच मैच और साई टीम के खिलाफ तीन मैच खेलेंगे।हॉकी इंडिया ने रविवार को जानकारी दी कि यह सीरीज आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए दोनों टीमों की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मलेशिया टीम के साथ भारतीय जूनियर पुरुष टीम 7 अगस्त, 08 अगस्त, 10 अगस्त, 12 अगस्त और 13 अगस्त खेलेगी। इसके अतिरिक्त मलेशियाई टीम 03 अगस्त, 05 अगस्त और 15 अगस्त को साई टीम से भिड़ेगी।भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा कि ये मैच एशिया कप के लिए महत्वपूर्ण तैयारी साबित होंगे। ये बेल्जियम दौरे के दौरान शुरू किए गए हमारे काम की निरंतरता का हिस्सा हैं, जहां हमने खेले गए मैचों में उल्लेखनीय प्रगति देखी।

बैडमिंटन कोर्ट में 17 वर्षीय तन्वी शर्मा का तूफान, ताइपे ओपन चैंपियन बनकर रचा इतिहास; भावुक होकर कोच को पहनाया अपना गोल्ड मेडल

ताइपे (ए.)। भारतीय बैडमिंटन की उभरती हुई युवा स्टार तन्वी शर्मा ने रविवार को एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। पंजाब की रहने वाली महज 17 साल की इस होनहार खिलाड़ी ने ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के विमेंस सिंगल्स का खिताब जीतकर पूरी दुनिया में देश का डंका बजा दिया है। यह उनके करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। खिताबी मुकाबले में तन्वी ने अपने तूफानी और आक्रामक खेल के दम पर वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी थुय लिन गुयेन को सीधे गेमों में 21-16, 21-16 से बुरी तरह धो डाला। यह खिताबी मुकाबला केवल 36 मिनट तक चला। इस शानदार और एकतरफा जीत के साथ ही तन्वी ताइपे ओपन का खिताब जीतने वाली इतिहास की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी (पुरुष या महिला) बन गई हैं।

कोच को पहनाया अपना गोल्ड मेडल

अपनी निडर, बेखौफ और आक्रामक खेल शैली के दम पर तन्वी आज भारतीय बैडमिंटन के सबसे चमकीले सितारों में से एक बन चुकी हैं। उच्च रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को धूल चटाने वाली इस युवा स्टार की जीत के बाद कोर्ट पर एक बेहद भावुक नजारा भी देखने को मिला। दिग्गज शटलर पीवी सिंधु के पूर्व मेंटर रहे और तन्वी के वर्तमान कोच पार्क ताए-सांग के साथ ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाते हुए तन्वी ने अपने गले से गोल्ड मेडल उतारा और उसे अपने कोच को पहना दिया। इसके बाद दोनों ने गर्व के साथ तस्वीरें खिंचवाई।

छोटी सी उम्र में हासिल किए बड़े मुकाम

पूर्व जूनियर वर्ल्ड नंबर 1 रह चुकीं तन्वी का जूनियर और सीनियर स्तर पर अब तक का रिकॉर्ड शानदार रहा है। वह वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप के एक ही संस्करण में दो मेडल (गर्ल्स सिंगल्स में सिल्वर और मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज) जीतने वाली भारत की पहली खिलाड़ी हैं। इसके अलावा, वह एशियाई टीम चैंपियनशिप में देश का पहला गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का भी अहम हिस्सा थीं। तन्वी ने सिर्फ 16 साल की उम्र में 2025 यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचकर सीनियर सर्किट में तहलका मचा दिया था। ओडिशा मास्टर्स और गुवाहाटी मास्टर्स में उपविजेता रहने के बाद अब उन्होंने दुनिया की टॉप 35 रैंकिंग में भी अपनी जगह पक्की कर ली है।

बच्चों के श्रेष्ठ संस्कारों की प्रथम गुरु माँ, संस्कारयुक्त पीढ़ी ही राष्ट्र का भविष्य : आचार्य पंडित सोमेश परसाई

नर्मदापुरम (निप्र)। श्रावण मास में शिवार्चन समिति के तत्वावधान एवं पंडित सोमेश परसाई के सान्निध्य में विगत 37 वर्षों से आयोजित जनकल्याणार्थ महारुद्राभिषेक के चतुर्थ दिवस श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपरा का अनुपम संगम देखने को मिला। वेद मंत्रों की गूंज, हर-हर महादेव के जयघोष और सैकड़ों श्रद्धालुओं की भक्तिमय उपस्थिति में भगवान पार्थिवेश्वर का दुग्ध, दधि, घृत, मधु, शर्करा तथा दिव्य एवं दुर्लभ औषधियों से रुद्राभिषेक किया गया। इसके पश्चात भगवान शिव का बिल्वपत्र एवं विविध पुष्पों से मनोहारी श्रृंगार कर महाआरती संपन्न हुई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पूज्य गुरुदेव आचार्य सोमेश परसाई ने कहा कि बच्चों के श्रेष्ठ संस्कारों की प्रथम गुरु उनकी माँ होती है। संसार का जो ज्ञान, स्नेह, करुणा, त्याग, अनुशासन और जीवन जीने की कला माँ अपने बच्चों को सहज रूप से प्रदान करती है, वह बड़े-बड़े ज्ञानी और विद्वान भी नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके बच्चों पर निर्भर करता है और बच्चों का भविष्य उनके संस्कारों पर। यदि परिवार में माता-पिता स्वयं धर्म, सत्य, सेवा, संयम और सदाचार का पालन करेंगे तो वही गुण बच्चों के जीवन में स्वत: उतरेंगे। आधुनिक शिक्षा आवश्यक है, किंतु यदि शिक्षा के साथ संस्कार न हों तो ज्ञान अधूरा रह जाता है। माता अपने आचरण से बच्चों में प्रेम, संवेदना, सेवा और सहनशीलता के संस्कार रोपित करती है, जबकि पिता उन्हें कर्तव्य, अनुशासन और जीवन के संघर्षों का सामना करने की प्रेरणा देते हैं। इसलिए प्रत्येक परिवार का प्रथम दायित्व है कि वह अपने बच्चों को भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और नैतिक मूल्यों से जोड़कर उनका सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण करे।गुरुदेव ने कहा कि जीवन में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु ही मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाकर लौकिक एवं आलौकिक दोनों प्रकार की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में वर्णित 33 कोटि देवी-देवताओं की उपासना मानव जीवन को मंगलमय बनाती है। अपने आराध्य देवों से विमुख होकर अन्य मार्गों का अनुसरण करना धर्म, समाज और राष्ट्र—तीनों के लिए हितकारी नहीं है। महारुद्राभिषेक के अंतर्गत 21 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान आशुतोष शिव का अभिषेक संपन्न कराया गया। भगवान पार्थिवेश्वर का दुग्ध, दधि, घृत, मधु, शर्करा एवं दिव्य औषधियों से अभिषेक कर बिल्वपत्र, धतूरा तथा विविध पुष्पों से अलौकिक श्रृंगार किया गया। संपूर्ण वातावरण शिवमय हो उठा और श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

आज श्रावण का प्रथम सोमवार

आज श्रावण के प्रथम सोमवार के अवसर पर भगवान पार्थिवेश्वर की विशेष पूजा होगी जिसमे भगवान की दिव्य भस्म आरती एवं महाआरती की जाएगी तथा भगवान का सुन्दर मनोहारी श्रृंगार किया जायेगा. श्रावण मास भर प्रतिदिन प्रात: 6 बजे से आयोजित होने वाले इस महारुद्राभिषेक में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागी होकर भगवान शिव की आराधना कर रहे हैं। आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

मूंग उपार्जन में गड़बड़ी पर प्रशासन सख्त, स्लॉटों के दुरुपयोग और रिसर्कुलेशन पर होगी कड़ी कार्रवाई

एसडीएम सिवनी मालवा ने व्यापारियों एवं समिति प्रबंधकों के साथ बैठक कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशों के अनुरूप जिले में समर्थन मूल्य पर जारी मूंग उपार्जन के दौरान पूर्व में भंडारित मूंग के रिसर्कुलेशन पर प्रभावी रोक लगाने तथा वास्तविक किसानों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

कलेक्टर के निर्देशों के पालन में जिले के सभी अनुविभागों में विशेष निगरानी दल सक्रिय हैं, जो उपार्जन केंद्रों पर सतत निरीक्षण एवं निगरानी कर रहे हैं। इसी क्रम में एसडीएम सिवनी मालवा विजय राय ने व्यापारियों एवं उपार्जन केंद्रों के समिति प्रबंधकों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन द्वारा निर्धारित उपार्जन नीति एवं कलेक्टर के निर्देशों के अनुरूप ही किसानों से मूंग की खरीदी सुनिश्चित की जाए।बैठक में एसडीएम ने निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में किसानों के स्लॉट का दुरुपयोग कर पूर्व में खरीदी गई अथवा अवैध रूप से भंडारित मूंग को उपार्जन केंद्रों पर बेचने का प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि कोई बिचौलिया, व्यापारी अथवा अन्य व्यक्ति इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपार्जन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाए रखने के लिए मैदानी स्तर पर लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई, तीन वाहन किए जप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत एवं अन्य गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सघन अभियान निरंतर जारी है। अभियान के तहत खनिज विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध परिवहन एवं उत्खनन में संलिप्त वाहनों को जप्त किया गया। कार्रवाई के दौरान इटारसी रोड पर डंपर क्रमांक M P04H E5024 को गिट्टी खनिज का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन को जप्त कर सुरक्षार्थ क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) परिसर में खड़ा कराया गया। इसी प्रकार ग्राम रायपुर में अवैध रूप से रेत का उत्खनन करते हुए एक वाहन को जप्त किया गया, जिसे पुलिस थाना देहात नर्मदापुरम की अभिरक्षा में रखा गया है। वहीं फोरलेन मार्ग पर डंपर क्रमांक MP16E5029 को गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया।

माह के प्रथम कार्य दिवस पर होगा आयोजन

नपा में आज से प्रारंभ होगा वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। हर माह के प्रथम कार्यदिवस पर नगरपालिका कार्यालय परिसर में वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान का आयोजन किया जाएगा। आयोजन नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में हर माह के प्रथम कार्यदिवस पर वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान का आयोजन प्रारंभ किया जा रहा है। सोमवार 3 अगस्त को सुबह 10 बजे कार्यालय परिसर में वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान का आयोजन होगा। इस गरिमामय आयोजन में विधायक प्रतिनिधि, नपा के समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण, सभापति, पार्षदगण एवं एल्डरमेन सादर आमंत्रित हैं। श्री सोनी ने बताया कि उक्त आयोजन प्रत्येक माह की 01 तारीख को आयोजित किया जाएगा। यदि 01 तारीख को किसी प्रकार का शासकीय अवकाश रहता है, तो कार्यक्रम अगले कार्यदिवस को आयोजित किया जाएगा।

सवा लाख शिवलिंग निर्माण एवं शिव पुराण कथा

नर्मदापुरम/इटारसी(निप्र)। इटारसी में श्रावण मास के शुभ अवसर पर अथर्व ज्योतिष परामर्श केंद्र के पंडित अरुण शास्त्री के द्वारा सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण व महारुद्राभिषेक पूजन एवं शिव महापुराण कथा हेतु कलश शोभा यात्रा शिवशक्ति दुर्गा मंदिर से वृंदावन गार्डन तक निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित रहे। अंत में महादेव की आरती कर प्रसाद वितरित किया। शोभा यात्रा में महिला एवं पुरुष शामिल हुए।

24 हजार गायत्री मंत्र जाप, एक कुण्डीय यज्ञ एवं नशा मुक्ति रैली का हुआ आयोजन

नर्मदापुरम, (निप्र)। गायत्री परिवार नर्मदापुरम के तत्वावधान में स्थानीय रेवा सिटी फेस-02 में 24 हजार गायत्री मंत्रों के सामूहिक जाप, एक कुण्डीय गायत्री यज्ञ एवं नशा मुक्ति रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के परिजनों के साथ-साथ कॉलोनीवासियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। गायत्री परिवार नर्मदापुरम द्वारा संचालित इस साप्ताहिक आध्यात्मिक श्रृंखला का यह 14 वाँ आयोजन वरिष्ठ परिजन विमल विलास के निवास पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर गायत्री परिवार के सभी परिजनों ने विमल विलास एवं उनके परिवार का पुष्पवर्षा कर आत्मीय सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान नैना कमलपुरिया के जन्मदिवस के अवसर पर उनके उज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की मंगलकामना करते हुए महामृत्युंजय मंत्र की विशेष आहुतियाँ समर्पित की गईं तथा पुष्पवर्षा कर सभी ने उन्हें शुभकामनाएँ प्रदान कीं। कार्यक्रम में प्रतिदिन की भाँति प्रात: 7:00 बजे से 9:00 बजे तक सामूहिक गायत्री मंत्र जाप किया गया। 24 हजार मंत्रों के जाप के लिए निर्धारित 240 मालाओं के स्थान पर सभी साधकों ने मिलकर 300 से अधिक मालाओं का जप किया, जिससे 24 हजार से अधिक गायत्री मंत्रों का सामूहिक जाप संपन्न हुआ। इसके उपरांत एक कुण्डीय गायत्री यज्ञ आयोजित किया गया तथा यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात नशा मुक्ति रैली निकालकर समाज को नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का वैदिक कर्मकाण्ड विनीता सोनी, उमा मालवीय, संध्या मांगरोल एवं अंजू झिंझोरे द्वारा संपन्न कराया गया। इस अवसर पर केशव मांगरोल द्वारा गायत्री परिवार के संस्थापक परम पूज्य पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा लिखित प्रेरणादायी साहित्य का पुस्तक स्टॉल भी लगाया गया, जहाँ उपस्थित लोगों ने साहित्य का अवलोकन कर उसे प्राप्त करने में रुचि दिखाई। कार्यक्रम में परमानंद मालवीय, उमा मालवीय, महेश ठाकुर, माया ठाकुर, रामकुमार सोनी, विनीता सोनी, केशव मांगरोल, संध्या मांगरोल, विमल विलास, सुनीता विलास, उमेश कमलपुरिया, सरोज कमलपुरिया, अरुण नारखेड़े, शैलजा नारखेड़े, महेश गौर, रूकमणि गौर, यू.के. सिंह, शिवकुमार विश्वकर्मा, एन.डी. सराठे, श्यामसुंदर हिनवार, संतोष यादव, रामकुमार गौर, परसराम बतोसिया, नरोत्तम दास यादव, पंकज राजपूत, डोरीलाल यादव, अंजू झिंझोरे, पूर्णिमा साहू, पूजा विलास, युग विलास, हर्ष विलास, रानू गौर, उमा गौर, शारांश गौर, रेवांश गौर, गीता मालवीय, राधा मालवीय, अनुसुईया राजपूत, सुजाता राजपूत, अभिजीत राजपूत, उमेश चौधरी, मुकेश वर्मा सहित गायत्री परिवार के अनेक परिजन एवं कॉलोनी के नागरिक उपस्थित रहे।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 10 प्रकरण दर्ज

4.41 लाख रुपये की मदिरा व महुआ लाहन जब्त

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के परिवहन, विनिर्माण एवं संग्रहण के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की टीम ने इटारसी शहर एवं औद्योगिक क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर विशेष अभियान चलाकर अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की। अभियान के दौरान गरीबी लाइन, नाला मोहल्ला, सूरजगंज तथा ग्राम माहौला पंडरी में दबिश देकर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क), (च) के तहत कुल 10 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।कार्रवाई के दौरान 80 लीटर हाथ भट्टी मदिरा तथा 4,250 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। मौके पर जब्त मदिरा एवं महुआ लाहन की अनुमानित कीमत 4 लाख 41 हजार रुपये आंकी गई है। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उक्त कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेश अहिरवार, आबकारी उपनिरीक्षक के. के. पड़रिया सहित आबकारी विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सावन का पहला सोमवार-आज निकलेगी भव्य कांवड़ यात्रा, सीवन तट से कुबेरेश्वरधाम तक उमड़ेगा आस्था का सैलाब

सीहोर (निप्र)। सावन माह के पावन अवसर पर शहर के सीवन नदी के तट से लेकर कुबेरेश्वरधाम तक भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। पहले सोमवार को विठलेश सेवा समिति नगर इकाई सीहोर के तत्वावधान में शाम 4 बजे सीवन नदी के तट से कुबेरेश्वरधाम तक भव्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। करीब 11 किलोमीटर लंबी इस पैदल कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्तों के शामिल होने की संभावना है।कांवड़ यात्रा को लेकर सीवन नदी के तट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो जाता है। बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री सीवन नदी से पवित्र जल भरकर कुबेरेश्वरधाम में भगवान शिव का अभिषेक करने के लिए रवाना होने की तैयारी में हैं। पूरे क्षेत्र में हर-हर महादेव और श्री शिवाय नमस्तुभ्यं के जयघोष गूंज रहे हैं।

शाम 4 बजे 11 किलोमीटर की पैदल कांवड़ यात्रा, सेवा स्टॉलों पर श्रद्धालुओं के लिए फलाहार, पेयजल और भोजन की व्यवस्था

कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए यात्रा मार्ग में अनेक स्थानों पर सेवा स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉलों के माध्यम से श्रद्धालुओं को निःशुल्क पेयजल, चाय, फलाहार, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। समाजसेवी, धार्मिक संगठनों एवं शिवभक्तों द्वारा पूरे सेवाभाव के साथ कांवड़ यात्रियों की सेवा की जा रही है। यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। कुबेरेश्वरधाम पहुंचने वाले कांवड़ यात्रियों के लिए भी भोजन प्रसादी एवं अन्य सेवा कार्य जारी रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने शिवभक्तों को संदेश देते हुए कहा कि भगवान पर विश्वास रखो, लेकिन कर्म करना कभी मत छोड़ो। भगवान शिव उसी का साथ देते हैं, जो स्वयं प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और विश्वास के साथ मनुष्य को अपने कर्तव्यों का निर्वहन भी पूरी निष्ठा से करना चाहिए। केवल भगवान के भरोसे बैठने के बजाय मेहनत, सेवा और अच्छे कर्मों के साथ आगे बढ़ने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफलता प्राप्त करता है।

विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि सावन के प्रत्येक सोमवार को शिव भक्तों के द्वारा भव्य रूप से कांवड यात्रा निकाली जाएगी। सोमवार को शाम 4 बजे सीवन नदी तट से प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए करीब 11 किलोमीटर की दूरी तय कर कुबेरेश्वरधाम पहुंचेगी। यात्रा के दौरान शिवभक्त भजन-कीर्तन और भगवान शिव के जयकारों के साथ आगे बढ़ेंगे।

मूंग उपार्जन में पारदर्शिता के लिए प्रशासन अलर्ट, मूंग स्टॉक का हो रहा भौतिक सत्यापन

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में समर्थन मूल्य पर जारी मूंग उपार्जन प्रक्रिया को पूर्णत: पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष निगरानी अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत पूर्व वर्षों में भंडारित मूंग के अवैध रूप से उपार्जन केंद्रों पर विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से विशेष दलों द्वारा मंडियों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में एसडीएम सिवनी मालवा विजय राय द्वारा विकासखंड स्तर पर तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार के नेतृत्व में विशेष दलों का गठन किया गया है। इन दलों को मूंग उपार्जन प्रक्रिया के प्रभावी प्रबंधन, नियंत्रण एवं सतत मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।कलेक्टर के निर्देशों के अनुपालन में गठित दलों द्वारा कृषि उपज मंडी परिसर एवं विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों में उपलब्ध मूंग के स्टॉक का नियमित भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मंडी से अनुज्ञा पत्रों के माध्यम से माल की निकासी का सत्यापन किया जा रहा है, वहीं आकस्मिक रूप से बाहर जाने वाले माल की भी सूक्ष्मता से जांच एवं समीक्षा की जा रही है।

हाईब्रिड मोड में होगी उर्वरक वितरण व्यवस्था, विक्रेताओं को आवश्यक अभिलेख संधारित करना होगा अनिवार्य

नर्मदापुरम(निप्र)। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, जिला नर्मदापुरम रविकांत सिंह ने बताया कि प्रदेश में उर्वरक वितरण व्यवस्था को और अधिक सरल एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से शासन द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसके तहत 30 जुलाई 2026 से उर्वरक वितरण व्यवस्था हाईब्रिड मोड में लागू की गई है। यह व्यवस्था ई-विकास (वितरण एवं कृषि उर्वरक आपूर्ति समाधान) प्रणाली के सरलीकरण के लिए गठित समिति की अनुशंसाएं प्राप्त होने तक प्रभावी रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण व्यवस्था 1 अप्रैल 2026 से लागू की गई थी। अब संशोधित व्यवस्था के तहत विक्रेताओं को निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए उर्वरकों का वितरण करना होगा।निर्देशानुसार 30 जुलाई 2026 तक ई-विकास प्रणाली से वितरित उर्वरकों का पूरा अभिलेख सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। वहीं 30 जुलाई 2026 से आगामी आदेश तक किसानों को वितरित किए जाने वाले उर्वरकों के संबंध में विक्रेताओं को किसान के आधार कार्ड की छायाप्रति, मोबाइल नंबर तथा कंपनीवार एवं उर्वरकवार (यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी एवं एमओपी) वितरित मात्रा का विस्तृत रिकॉर्ड संधारित करना होगा। शासन के निर्देशानुसार हाईब्रिड मोड में किए गए उर्वरक वितरण का विवरण बाद में ई-विकास पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। साथ ही यह जानकारी पैक्स, विपणन संघ के डबल लॉक केंद्रों, एम.पी. एग्रो के विक्रय केंद्रों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं द्वारा निर्धारित प्रारूप के रजिस्टर में अनिवार्य रूप से संधारित की जाएगी। कृषि विभाग ने जिले के सभी उर्वरक विक्रेताओं से शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित करने तथा सभी आवश्यक अभिलेख अद्यतन एवं व्यवस्थित रूप से संधारित करने के लिए निर्देशित किया है।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला नर्मदापुरम (म.प्र.)

e-mail.(deo.mpedhbd@mp.gov.in)

नर्मदापुरम, दिनांक.....

-:विज्ञप्ति:-

****

आबकारी आयुक्त, मध्यप्रदेश ग्वालियर के पत्र क्रमांक/9-लेखा/बजट/2025-26/ ई-1163732/आई-1159911/2026 ग्वालियर दिनांक 13.07.2026 द्वारा कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला-नर्मदापुरम हेतु 03 वाहन अनुबंधित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

उक्त पत्र के पालन में सर्वसाधारण एवं टेक्सी परमिट धारिता वाले ट्रेवल्स एजेंसी / फर्म/वाहनस्वामी की विशेष जानकारी हेतु प्रकाशित किया जाता है कि, कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला-नर्मदापुरम के लिए संपूर्ण नर्मदापुरम जिले में आबकारी अपराध नियंत्रण, उपलंभन / प्रवर्तन कार्य हेतु 03 (तीन) चार पहिया वाहन अनुबंधित किया जाना है।

वाहन अनुबंध की कार्यवाही गठित समिति द्वारा NIC के पोर्टल (https://mptenders.gov.in)के माध्यम से की जावेगी। वाहन अनुबंधित की कार्यवाही निम्न कार्यक्रम अनुसार संपन्न की जावेगी:-

कार्यक्रम स्थल - कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला-नर्मदापुरम, तवा भवन, कलेक्टोरेट कैम्पस, कोठी बाजार, नर्मदापुरम

1	ई-टेण्डर हेतु ऑन-लाईन टेण्डर प्रपत्र डाउनलोड एवं ऑफर सबमिट करने की तिथि एवं समय	दिनांक 31.07.2026 को सायंकाल 06:00 बजे से दिनांक 14.08.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे तक।
2	समिति द्वारा ई-टेण्डर खोलने एवं निराकरण किये जाने की तिथि एवं समय	दिनांक 14.08.2026 को अपरान्ह 12:05 से कार्यवाही पूर्ण होने तक।

ई-टेण्डर के माध्यम से वाहन अनुबंध की प्रकिया, शर्तें एवं निर्बंधन NIC के पोर्टल (https://mptenders.gov.in) से डाउनलोड की जा सकती है अथवा कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला-नर्मदापुरम में कार्यालयीन दिवस / समय में आकर प्राप्त की जा सकती है।

टेक्सी परमिट धारिता वाले एजेंसी / फर्म / वाहनस्वामी ई-टेण्डर की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। उक्त जानकारी पोर्टल (https://mptenders.gov.in) के होमपेज पर लाईव टेंडर के ऑप्शन के अंतर्गत आबकारी विभाग का चयन कर, एडवांस सर्च के माध्यम से जिले को सिलेक्ट कर जानकारी प्राप्त कर सकता है।

ई-टेण्डर की प्रक्रिया हेतु आवेदक का एमपी टेण्डर्स के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन होना एवं डिजिटल सिग्नेचर होना अनिवार्य है।

ई-टेण्डर की प्रक्रिया हेतु पोर्टल में पंजीयन करने, भुगतान प्रक्रिया तथा ई-टेण्डर प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्राप्त करने हेतु टेंडरदाता NIC के पोर्टल के हेल्प डेस्क नम्बर 0120-4001 002, 0120-4001 005 अथवा 0120-4493395 पर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालयीन समय में जानकारी प्राप्त कर सकता है। साथ ही ई-मेल आई.डी. mptenders@mpsedc.com & support&eproc@nic-in पर सूचित कर आवश्यक सहयोग प्राप्त कर सकता है।

उपरोक्त जानकारी, जिला कलेक्टर नर्मदापुरम के कार्यालय के साथ-साथ, कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला-नर्मदापुरम व अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कराई गई है।

जी/16610/26

जिला आबकारी अधिकारी
जिला-नर्मदापुरम

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com